* 19th Year
* Issue: 253
* 20.01.2026 (TUESDAY)
* ROURKELA
* R.N.I. No. ORIHIN/2006/18978
* (Pages-6)
* Price:2.00

e-paper-www.thekalingasamachar.com

दैनिक
कलिंग समाचार
The kalingasamachar

प्रकाशक एवं संपादक : प्रकाश कुमार धल

Published From ODISHA, JHARKHAND & CHHATTISHGARH

भाजपा को मिला नया बॉस! नितिन नबीन निर्विरोध चुने गए अध्यक्ष, आज होगी ताजपोशी, पीएम मोदी रहेंगे मौजूद

नयी दिल्ली १९/०१ (संवाददाता): भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन सोमवार को नामांकन वापस लेने की प्रक्रिया समाप्त होने के बाद एकमात्र प्रस्तावित नाम होने के कारण पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में निर्विरोध चुने जाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। भाजपा संगठन पर्व के राष्ट्रीय प्रतिवेदक डॉ. के. लक्ष्मण के अनुसार, नामांकन वापस लेने की अवधि समाप्त होने के बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए केवल एक ही नाम – नितिन नबीन का – प्रस्तावित किया गया था। पार्टी ने पुष्टि की कि उनके पक्ष में नामांकन पत्रों के 37 सेट जमा किए गए थे, और इस पद के लिए किसी अन्य उज़्मीदवार का नाम प्रस्तावित नहीं किया गया था। लक्ष्मण ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि नाम वापसी की अवधि समाप्त होने के बाद, भारतीय जनता पार्टी के संगठन पर्व के राष्ट्रीय रिटर्निंग ऑफिसर के रूप में, मैं यह घोषणा करता/करती हूँ कि भारतीय जनता पार्टी के

राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए केवल एक नाम, नितिन नबीन का नाम प्रस्तावित किया गया है। 45 वर्षीय नबीन को 14 दिसंबर, 2025 को भाजपा का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया गया था और वे राष्ट्रीय अध्यक्ष पद संभालने वाले अब तक के सबसे युवा अध्यक्ष होंगे। वे पार्टी के 12वें राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में वरिष्ठ नेता जेपी नड्डा का स्थान लेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहित शीर्ष नेताओं ने उनकी उज़्मीदवारी का समर्थन किया है।20 जनवरी, 2026 को सुबह 11=30 बजे होने वाला यह सज़ा हस्तांतरण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की उपस्थिति में होगा। दिवंगत भाजपा नेता और पूर्व विधायक नवीन किशोर प्रसाद सिन्हा के पुत्र नवीन बिहार के बांकीपुर विधानसभा क्षेत्र से विधायक हैं और राज्य सरकार में दो बार मंत्री रह चुके हैं। आरएसएस से जुड़े होने के कारण पार्टी के भीतर उन्हें एक संगठनात्मक रूप से मजबूत और वैचारिक साख रखने वाले नेता के रूप में देखा जाता है, जो भाजपा के शीर्ष नेतृत्व में एक पीढ़ीगत बदलाव का प्रतीक है। अपने मजबूत जमीनी समर्थन के लिए जाने जाने वाले नबीन ने लगातार विधानसभा चुनावों (2010, 2015, 2020 और 2025) में यह सीट जीती है, साथ ही 2006 में उपचुनाव में भी जीत हासिल की थी। हाल ही में हुए बिहार विधानसभा चुनावों में उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी को 51,000 से अधिक वोटों के अंतर से हराया।

नामांकन में दिखी दिग्गजों की भीड़, भाजपा में 'नबीन' युग की शुरुआत!

नयी दिल्ली १९/०१ (संवाददाता): भारतीय जनता पार्टी को छह साल बाद नया राष्ट्रीय अध्यक्ष मिलने वाला है। बीजेपी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन ने सोमवार (19 जनवरी) को पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए अपना नॉमिनेशन फाइल किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी इस पद के लिए उनके प्रस्तावकों में शामिल हैं। गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह समेत पार्टी के वरिष्ठ नेता इस अवसर पर पार्टी मुज़्यालय में उपस्थित हैं। बिहार से पांच बार विधायक रह चुके नितिन नबीन, जिन्हें हाल ही में भाजपा का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया गया है, उनके निर्विरोध पार्टी के 12वें राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने जाने की संभावना है। पार्टी सूत्रों के हवाले से बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह समेत पार्टी नेतृत्व उनकी उज़्मीदवारी का समर्थन कर रहा है।चुनाव प्रक्रिया पूरी होने के बाद अगले दिन नए भाजपा अध्यक्ष के नाम की घोषणा की जाएगी।

'राष्ट्र के भरोसे का स्तंभ बना एनडीआरएफ', अमित शाह ने आपदा राहत बल के साहस को किया सलाम

नयी दिल्ली १९/०१ (संवाददाता): केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह 'आपदाओं के दौरान राष्ट्र के भरोसे का स्तंभ' बन गया है। शाह ने बल के स्थापना दिवस पर शुभकामनाएं देते हुए सोशल मीडिया मंच 'एज़्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''आपदाओं से निपटने में सक्षम भारत के निर्माण के मोदी सरकार के संकल्प को साकार करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका के माध्यम से एनडीआरएफ आज आपदाओं के दौरान राष्ट्र के विश्वास का स्तंभ बन गया है। उन शहीदों को सलाम, जिन्होंने दूसरों की सुरक्षा के लिए अपना बलिदान दे दिया।

गृह मंत्री ने इस दौरान उन जवानों को भी याद किया जिन्होंने राहत कार्यों के दौरान दूसरों की जान बचाते हुए अपने प्राणों की आहुति दे दी। उन्होंने कहा, मैं उन वीर शहीदों को सलाम करता हूँ, जिन्होंने दूसरों

की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दे दिया।

2006 में स्थापित एनडीआरएफ ने पिछले दो दशकों में प्राकृतिक और मानव-निर्मित आपदाओं के दौरान अपनी कार्यक्षमता को वैश्विक स्तर पर साबित किया है। चाहे वह भूकंप हो, चक्रवात हो या बाढ़, एनडीआरएफ के जवान हमेशा अग्रिम पंक्ति में खड़े नजर आते हैं।

विशेषज्ञता= यह बल रासायनिक, जैविक, रेडियोलॉजिकल और परमाणु (छ्बक्र्रह्र) आपात स्थितियों से निपटने में भी सक्षम है।तकनीकी कौशल= अत्याधुनिक उपकरणों और मलबे के नीचे फंसे लोगों को खोजने वाली आधुनिक मशीनों से लैस।

वैश्विक पहचान= तुर्की में आए भूकंप (ऑपरेशन दोस्त) के दौरान एनडीआरएफ के मानवीय कार्यों की पूरी दुनिया ने सराहना की थी। अमित शाह के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने प्रतिक्रिया-केंद्रित से तैयारी-केंद्रित आपदा प्रबंधन दृष्टिकोण अपनाया है। एनडीआरएफ इस परिवर्तन का नेतृत्व कर रहा है, जिससे न केवल जान-माल का नुकसान कम हुआ है, बल्कि भारत अन्य देशों की मदद के लिए भी सक्षम बना है।

यूएई राष्ट्रपति का सिर्फ 2 घंटे का दिल्ली दौरा, मोदी ने एयरपोर्ट पर किया स्वागत, दोस्ती की दिखी गर्मजोशी

नयी दिल्ली १९/०१ (संवाददाता): संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के राष्ट्रपति शेख मोहज़्मद बिन जायद अल नाहयान सोमवार को दो घंटे के लिए भारत की यात्रा पर नई दिल्ली पहुंचे। आगमन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनका स्वागत किया और कहा कि उनकी यह यात्रा भारत और यूएई के बीच मजबूत मित्रता के प्रति उनके दृष्टिकोण को दर्शाती है।

यूएई के राष्ट्रपति बनने के बाद अल नाहयान की यह तीसरी आधिकारिक भारत यात्रा है। कुल मिलाकर, यह उनकी पांचवीं यात्रा है। नाहयान के साथ चार तस्वीरें साझा करते हुए मोदी ने लिखा कि अपने भाई, महामहिम शेख मोहज़्मद बिन जायद अल नाहयान, यूएई के राष्ट्रपति का स्वागत करने हवाई अड्डे गया था। हमारी चर्चाओं के लिए उत्सुक हूं।

अल नाहयान की भारत यात्रा मध्य पूर्व में व्याप्त अस्थिरता के बीच हो रही है, जहां ईरान में हुए व्यापक विरोध प्रदर्शनों के बाद तनाव काफी बढ़ गया है, जिनमें कम से कम 5,000 लोगों की जान जा चुकी है। संयुक्त राज्य अमेरिका ने ईरान के सर्वोच्च नेता अली हुसैनी खामेनेई को धमकी दी है और सज़ा परिवर्तन की मांग की है। उसने क्षेत्र में अपना विमानवाहक पोत भी तैनात कर दिया है, जिससे संकेत मिलता है कि वह इस्लामी राष्ट्र पर हमला कर सकता है।

हालांकि, ईरान ने ट्रंप को चेतावनी दी है कि अगर अमेरिका उस पर हमला करता है तो वह जवाबी कार्रवाई करेगा।

ईरान में अशांति के अलावा, यमन को लेकर सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात के बीच भी तनाव बढ़ रहा है, और खबरों के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी और अल नाहयान के बीच होने वाली वार्ता में मध्य पूर्व का मुद्दा प्रमुखता से उठाया जाएगा।

सबरीमाला सोना चोरी मामले में ईडी की बड़ी कार्रवाई, तीन राज्यों में 21 ठिकानों पर छापेमारी

सबरीमाला १९/०१ (संवाददाता): सबरीमाला मंदिर में सोने की चोरी और उससे जुड़े धन शोधन के मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने मंगलवार को एक साथ तीन राज्यों में छापेमारी कर हड़कंप मचा दिया। जांच एजेंसी ने केरल, कर्नाटक और तमिलनाडु के लगभग 21 स्थानों पर धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत यह तलाशी अभियान चलाया है। ऐसा माना जा रहा है कि संघीय जांच एजेंसी बेंगलुरु में मुज़्य आरोपी उन्नीकृष्णन पोट्टी और त्रावणकोर देवस्वओम बोर्ड (टीडीबी) के पूर्व अध्यक्ष ए पद्मकुमार से जुड़े परिसरों की तलाशी ले रही है। ईडी ने हाल ही में केरल पुलिस की प्राथमिकी का संज्ञान लेते हुए पीएमएलए के तहत एक मामला दर्ज किया था। राजनीतिक रूप से संवेदनशील इस मामले की जांच केरल उच्च न्यायालय की देखरेख में राज्य के विशेष जांच दल (एसआईटी) द्वारा पहले से ही की जा रही है। यह जांच कई अनियमितताओं से संबंधित है, जिनमें आधिकारिक कदाचार, प्रशासनिक चूक और भगवान अयप्पा मंदिर की विभिन्न कलाकृतियों से सोना चोरी करने की आपराधिक साजिश शामिल है। यह मामला भगवान अयप्पा के प्रसिद्ध सबरीमाला मंदिर की विभिन्न कलाकृतियों और आभूषणों से सोना चोरी करने की एक गहरी आपराधिक साजिश से संबंधित है। इसमें शामिल अनियमितताओं के मुज़्य बिंदु इस प्रकार हैं. शुरुआत में इस मामले की जांच केरल पुलिस की प्राथमिकी (स्नद्बक्र) के आधार पर शुरू हुई थी। वर्तमान में, केरल उच्च न्यायालय की देखरेख में राज्य के विशेष जांच दल (स्ढ्ढञ्) द्वारा इसकी जांच की जा रही है। हालांकि, विज़ीय हेराफेरी और मनी लॉन्ड्रिंग के पुज़्ता संकेत मिलने के बाद अब श्वष्ठ ने क्करूु के तहत मामला दर्ज कर अपनी स्वतंत्र जांच शुरू कर दी है।

लातेहार में बारात ले जा रही बस पलटी, नौ लोगों की मौत, 80 घायल

१९/०१ (संवाददाता): झारखंड के लातेहार जिले में रविवार को बारात ले जा रही एक बस के पलट जाने से उसमें सवार कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई और 80 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह हादसा महुआडांड़ पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत ओरसा बंगलाधारा घाटी में हुआ।पुलिस अधीक्षक (एसपी) कुमार गौरव ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''छज़ीसगढ़ के बलरामपुर जिले से बारात लेकर बस लातेहार के महुआडांड़ आ रही थी। बस पलट गई और पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मरने वालों में से चार महिलाएं शामिल हैं।

घायलों को अस्पताल ले जाया गया है।' वहीं, एक अन्य अधिकारी ने बताया कि लातेहार के अस्पताल में इलाज के दौरान दो और लोगों की मौत हो गई जबकि गुमला सदर अस्पताल

में भी दो लोगों की मौत हुई। गुमला के सिविल सर्जन शंभूनाथ चौधरी ने कहा कि नौ घायलों को यहां के सदर अस्पताल में रेफर किया गया था जिनमें से दो को मृत घोषित कर दिया गया।मुज़्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोशल मीडिया मंच 'एज़्स' पर एक पोस्ट में लातेहार के उपायुक्त को घायलों को उचित चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करने का निर्देश दिया। उपमंडल अधिकारी (एसडीएम) विपिन कुमार दुबे ने बताया कि 60 घायलों को महुआडांड़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में और 20 से अधिक को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

उन्होंने कहा, ''गंभीर हालत वाले 32 लोगों को बेहतर इलाज के लिए रांची स्थित राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिज़्स) भेजा जा रहा है।'' दुबे ने बताया कि मृतकों की पहचान रेशांति देवी (35), प्रेमा देवी (37), सीता देवी (45), सोनमती देवी (55), सुखना भुइयां (40) और विजय भुइयां के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि लातेहार अस्पताल में जिस महिला की मौत हुई, उसकी पहचान की जा रही है।बस चालक विकास पाठक ने बताया कि बस में करीब 90 यात्री सवार थे।

महाराणा प्रताप से हुई नीतीश कुमार की तुलना, जदयू नेता ने बताया बिहार का सेवक

१९/०१ (संवाददाता): बिहार के मुज़्यमंत्री नीतीश कुमार ने महाराणा प्रताप की पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर एएनआई से बात करते हुए, जनता दल (यूनाइटेड) के सांसद और कार्यक्रम के आयोजक संजय झा ने मुज़्यमंत्री की तुलना महाराणा प्रताप से करते हुए उन्हें बिहार का सेवक बताया। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार महाराणा प्रताप ने समाज के सभी वर्गों के लिए और उनके साथ काम किया, उसी प्रकार हमारे मुज़्यमंत्री नीतीश कुमार भी सभी का समान रूप से ज़्याल रखते हैं। वे महाराणा प्रताप की तरह ही नायक हैं। जहां महाराणा प्रताप ने देश के लिए अपना

बलिदान दिया, वहीं हमारे मुज़्यमंत्री बिहार की जनता के लिए निरंतर काम कर रहे हैं। वे बिहार के सेवक हैं।

इस बीच, मंत्री अशोक चौधरी ने कहा कि पार्टी के उपाध्यक्ष महाराणा प्रताप की स्मृति में प्रतिवर्ष इस कार्यक्रम का आयोजन करते हैं। उन्होंने कार्यक्रम में मुज़्यमंत्री की भागीदारी पर भी प्रकाश डाला। मंत्री ने सामाजिक सद्भाव के लिए काम करने वाले व्यक्तित्वों को याद करने के लिए ऐसे अवसरों को मनाने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पार्टी उपाध्यक्ष संजय सिंह महाराणा प्रताप की पुण्यतिथि पर प्रतिवर्ष एक कार्यक्रम आयोजित करते हैं... वे समाज में महाराणा प्रताप के सामाजिक सद्भाव के संदेश के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयासरत रहे हैं।

राहुल गांधी का भाजपा पर बड़ा हमला, कहा- ये लोग जनता की आवाज सुनना ही नहीं चाहते

कलामस्सेरी १९/०१ (संवाददाता): लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सोमवार को जनता से चुप्पी न साधने का आग्रह करते हुए कहा कि नि:संकोच संस्कृति में लालच का विचार गहराई से समाया हुआ है। राहुल गांधी ने कलामस्सेरी में एम लीलावती को केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा प्रियदर्शनी साहित्य पुरस्कार प्रदान किया। कोच्चि में एक सभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस नेता ने कहा कि पूरे देश में हम ऐसे लोगों को देखते हैं जो किसी बात पर विश्वास तो करते हैं लेकिन उसे कहने का साहस नहीं रखते। लेकिन महान राष्ट्र मौन में नहीं बनते। महान राष्ट्र और महान लोग तब बनते हैं जब वे अपने विचार और राय व्यक्त करते हैं और

उनके लिए संघर्ष करते हैं।

गांधी ने कहा कि मौन संस्कृति में लालच का विचार भी गहराई से समाया हुआ है= मुझे जो चाहिए वह मिल रहा है, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। मुझे कुछ कहने की जरूरत नहीं है। मैं लोगों को अपमानित होते हुए, लोगों की हत्या होते हुए, लोगों को मरते हुए देख सकता हूं। जब तक मैं ठीक हूं, सब ठीक है। यही लालच की संस्कृति है। लोकसभा के विपक्ष के नेता ने कोच्चि के मरीन ड्राइव में पार्टी के निर्वाचित स्थानीय निकाय प्रतिनिधियों से भी मुलाकात की।

राहुल ने कहा कि मैं स्थानीय निकाय चुनावों में भाग लेने वाले सभी लोगों को बधाई देना चाहता हूँ जिन्होंने कांग्रेस पार्टी और यूडीएफ के लिए शानदार परिणाम दिए। ग्राम पंचायत, ज़्लॉक पंचायत, जिला परिषद, नगरपालिका और नगर निगमों सहित सभी स्तरों पर हमारा प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा। मैं विशेष रूप से प्रसन्न हूँ ज़्योंकि पंचायतें, जो सरकार का तीसरा स्तर हैं, हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था की नींव हैं।

यदि हम संविधान की रक्षा करना चाहते हैं, तो हमें पंचायतों और नगर पालिकाओं की रक्षा करनी होगी। हमें हमेशा याद रखना चाहिए कि 73वें और 74वें संवैधानिक संशोधनों का विचार कांग्रेस पार्टी का ही था। संविधान का मूल सिद्धांत एक व्यक्ति, एक वोट है। और इसका मतलब यह है कि देश के संचालन में प्रत्येक भारतीय नागरिक की आवाज होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर आप भाजपा और आरएसएस तथा हम, कांग्रेस पार्टी, के बीच के अंतर को गहराई से देखें, तो पाएंगे कि वे सज़ा के केंद्रीकरण के पक्षधर हैं, जबकि हम सज़ा के विकेंद्रीकरण के पक्षधर हैं। वे भारत की जनता से अंधाधुंध आज्ञापालन चाहते हैं; वे भारत की जनता की आवाज़ सुनना ही नहीं चाहते। ङ्ग पर एक पोस्ट में कांग्रेस ने कहा, केरल के कोचीन हवाई अड्डे पर विपक्ष के नेता राहुल गांधी का पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी से स्वागत किया। केरल विधान सभा में विपक्ष के नेता वी.डी. सतीशान, एआईसीसी महासचिव वेणुगोपाल और अन्य पार्टी नेता भी महापंचायत में मौजूद हैं।

विविध समाचार

उत्तर प्रदेश पुलिस ने शंकराचार्य को संगम स्नान से रोका? अखिलेश यादव बोले-भाजपा का कुशासन और नाकाम व्यवस्था दोषी

प्रयागराज १९/०१ (संवाददाता): मौनी अमावस्या के मौके पर प्रयागराज माघ मेले में शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद के शिष्यों और उत्तर प्रदेश की होम सेक्रेटरी मोहिता गुप्ता के साथ पुलिसकर्मियों के बीच तीखी बहस के बाद तनाव बढ़ गया। स्थिति जल्द ही हाथापाई में बदल गई, जिससे मेले वाली जगह पर अफरा-तफरी मच गई। घटना के बाद, शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने मौनी अमावस्या स्नान करने से मना कर दिया और अपनी पालकी के साथ बीच रास्ते से ही अपने अखाड़े लौट गए। इस घटना के बाद से राजनीतिक तूफान खड़ा हो गया है, जिसमें समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने बीजेपी सरकार पर तीखा हमला किया है।

समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने प्रयागराज में माघ मेला में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को पुलिस द्वारा संगम में स्नान करने से कथित तौर पर रोकने और उनके कुछ समर्थकों की पिटाई की घटना की निंदा करते हुए रविवार को पूरे मामले की जांच की मांग की। यादव ने यहां एक बयान में कहा कि प्रयागराज में माघमेला क्षेत्र में पिछले साल की तरह ही इस साल फिर से साधु-संतों-भक्तों के साथ हुआ दुर्व्यवहार अक्षम्य है।

उन्होंने कहा, यह घोर निन्दनीय है। सदियों से चली आ रही शाही-स्नान की अखंड सनातनी परंपरा में गत वर्ष भी इसी सरकार द्वारा विघ्न डाला गया था। यादव ने कहा कि प्रश्न ये है कि ऐसी घटनाएं भाजपा की सरकार में ही क्यों हो रही हैं। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, मौनी अमावस्या का शाही-स्नान क्या पहली बार हो रहा है। इस अवस्था के लिए भाजपा का कुशासन और नाकाम व्यवस्था ही दोषी है। उन्होंने वाराणसी में मणिकर्णिका घाट पर हो रहे सौंदर्यीकरण कार्य पर सवाल उठाने के लिए विपक्ष की आलोचना को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधते हुए कहा, अहंकारी भाजपा शासन और प्रशासन अपने से बड़ा किसी को नहीं मानता है। अब क्या इसका दोष भी 'एआई' पर मढ़ेंगे?

आदित्यनाथ ने आरोप लगाया था कि विपक्ष मणिकर्णिका घाट पर हो रहे मरम्मत कार्य को गलत तरीके से पेश करने के लिए कृत्रिम मेधा (एआई) से बनाई गई तस्वीरों का इस्तेमाल कर रहा है।

सपा प्रमुख ने पूरे मामले की जांच की मांग की और कहा कि भाजपा सरकार लापरवाह और संवेदनहीन है। रविवार को ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती और उनके समर्थकों को संगम में जाने से कथित तौर पर रोके जाने और विरोध करने पर कुछ समर्थकों की पिटाई किये जाने के बाद विवाद खड़ा हो गया।

पुलिस अधीक्षक (माघ मेला) नीरज पांडेय ने बताया कि स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने बिना किसी अनुमति के 200-250 समर्थकों के साथ पुल नंबर दो का अवरोधक तोड़कर स्नान घाट की तरफ प्रवेश किया। पांडेय के मुताबिक, उन्हें बताया गया था कि श्रद्धालुओं की खासी भीड़ है, इसके बावजूद वह नहीं माने और रोकने पर वह स्नान किए बगैर वापस चले गए। वहीं, शंकराचार्य के मीडिया प्रभारी शैलेंद्र योगीराज ने इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि जगद्गुरु शंकराचार्य ज्योतिषपीठाधीश्वर स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती जी महाराज को प्रशासन ने जानबूझकर स्नान करने से रोका तथा यह घटना पूरी तरह से सुनियोजित थी। योगीराज ने दावा किया, शंकराचार्य के समर्थक शांतिपूर्ण ढंग से संगम नोज की तरफ स्नान के लिए जा रहे थे, लेकिन षड्यंत्र के तहत प्रशासन के लोगों ने समर्थकों को धक्का दिया और संतों को बर्बरतापूर्वक पीटा।

मुलायम सिंह यादव के परिवार में बड़ी दरार! प्रतीक यादव ने अपर्णा से तलाक का किया ऐलान

लखनऊ १९/०१ (संवाददाता): उत्तर प्रदेश के सबसे कद्दावर राजनीतिक परिवारों में से एक, %मुलायम परिवार% से एक बेहद चौंकाने वाली खबर सामने आ रही है। समाजवादी पार्टी के संरक्षक दिवंगत मुलायम सिंह यादव के छोटे बेटे और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के भाई प्रतिक यादव ने अपनी पत्नी और भाजपा नेता अपर्णा यादव से तलाक लेने की घोषणा कर दी है। प्रतीक यादव ने इस निजी फैसले की जानकारी अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल के जरिए दी, जिसने राजनीतिक और सामाजिक गलियारों में हलचल मचा दी है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर व्यापक चर्चा शुरू हो गई है। प्रतीक यादव ने एक कड़ा संदेश साझा किया, जिसमें उन्होंने अपर्णा यादव पर स्वार्थी होने और उनके पारिवारिक जीवन को बर्बाद करने का आरोप लगाया।

प्रतीक के इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा था मैं जल्द से जल्द इस स्वार्थी औरत को तलाक देने जा रहा हूं। उसने मेरे पारिवारिक रिश्ते खराब कर दिए। वह सिर्फ़ मशहूर और प्रभावशाली बनना चाहती है। अभी मेरी मानसिक हालत बहुत खराब है और उसे कोई फ़र्क नहीं पड़ता। क्योंकि उसे सिर्फ़ अपनी फ़िक्र है। मैंने इतनी बुरी आत्मा कभी नहीं देखी, और मेरा दुर्भाग्य था कि मैंने उससे शादी की, प्रतीक के इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा था। फिलहाल इस पूरे मामले पर अपर्णा यादव या यादव परिवार के किसी अन्य सदस्य (अखिलेश यादव या शिवपाल यादव) की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। अपर्णा यादव, जो वर्तमान में उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष के रूप में सक्रिय हैं, की ओर से प्रतिक्रिया का इंतजार किया जा रहा है।प्रतीक और अपर्णा की शादी साल 2011 में बहुत धूमधाम से हुई थी। दोनों की एक बेटी भी है। स्कूल के दिनों से एक-दूसरे को जानने वाले इस कपल का इस तरह अलग होना उनके करीबियों और समर्थकों के लिए एक बड़ा झटका है।

झूठ आपको शोभा नहीं देते, विकसित भारत-जी राम जी बिल पर शिवराज सिंह चौहान का राहुल-खरगे को जवाब

नयी दिल्ली १९/०१ (संवाददाता): केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने विकसित भारत-रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) (वीबी-जी राम जी) अधिनियम पर विपक्ष की आलोचना का जवाब देते हुए कांग्रेस नेताओं पर गलत सूचना फैलाने और कानून को लेकर अनावश्यक भ्रम पैदा करने का आरोप लगाया और कहा कि यह सत्य नहीं है। सोमवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए चौहान ने वीबी-जी राम जी अधिनियम के उद्देश्य का बचाव करते हुए कहा कि यह योजना जमीनी स्तर पर किसानों और मजदूरों के बीच समन्वित प्रयासों को बढ़ावा देती है।

चौहान ने कहा कि अगर हमारे मजदूर भाई-बहन और किसान मिलकर काम करते हैं, तो इसमें क्या गलत है? मैं राहुल जी और खरगे जी से एक बार फिर आग्रह करना चाहता हूं कि इस तरह का झूठ आपको शोभा नहीं देता। उन्होंने विपक्ष से आग्रह किया कि वे झूठ का अड्डा और तथ्यों का गलत प्रस्तुतीकरण बंद करें। कांग्रेस नेताओं राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खर्गे के बयानों और ऑनलाइन पोस्ट का हवाला देते हुए चौहान ने पूछा कि गलत सूचना फैलाने के लिए एआई-जनरेटेड तस्वीरें पोस्ट की जा रही हैं। क्या लोकतंत्र में यह जायज है? आप एआई-जनरेटेड तस्वीरें क्यों पोस्ट कर रहे हैं? क्या आपको जनता का समर्थन नहीं मिल रहा है? उन्होंने विपक्ष से आगे कहा, मैं एक बार फिर आग्रह करता हूं कि वे झूठ का यह अड्डा बंद कर दें।उन्होंने कांग्रेस के राष्ट्रव्यापी बचाओ एमएनआरईजीए अभियान का जिक्र करते हुए कहा, यह गांधी जी का सत्य नहीं है; यह सत्य का मजाक है। मैंने आंदोलनों और अभियानों के बारे में सुना है, लेकिन संग्राम, यह किस तरह की शब्दावली है? चौहान ने इस बात पर भी जोर दिया कि अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, महिलाएं, दिव्यांगजन और गरीब सरकार की रोजगार प्रतिबद्धता के केंद्र में हैं। ग्रामीण संदर्भ पर प्रकाश डालते हुए चौहान ने कहा कि भारत के 85 प्रतिशत से अधिक किसान लघु एवं सीमांत किसान हैं जिन्हें बुवाई और कटाई के मौसम में अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित कानून ग्राम पंचायतों को स्थानीय जरूरतों के आधार पर निर्णय लेने का अधिकार देता है, जिससे पारदर्शिता और विकेंद्रीकृत योजना सुनिश्चित होती है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि संक्रमणकालीन अवधि के कारण यह अधिनियम छह महीने के भीतर लागू हो जाएगा और तब तक एमएनआरईजीए लागू रहेगा। उन्होंने इस मुद्दे पर संसदीय बहसों के दौरान राहुल गांधी की अनुपस्थिति पर भी सवाल उठाया। चौहान ने विपक्ष से कल्याणकारी सुधारों का राजनीतिकरण करने के बजाय सत्य को समझने और उसका समर्थन करने की अपील की।

प्रधानमंत्री मोदी और नितिन नबीन की जोड़ी को लेकर गिरिराज सिंह का दावा, अब चुनावों में लगेंगे चौके-छक्के

नयी दिल्ली १९/०१ (संवाददाता): केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने सोमवार को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के नामांकन की सराहना करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और नितिन नबीन की जोड़ी देशभर के चुनावों में चौके-छक्के लगाएगी। पत्रकारों से बात करते हुए केंद्रीय मंत्री ने दावा किया कि केवल भाजपा में ही एक कार्यकर्ता जमीनी स्तर से ऊंचाइयों तक पहुंच सकता है, जबकि कांग्रेस में वंशवादी राजनीति के कारण यह असंभव है। उन्होंने कहा कि यह देशभर के राजनेताओं और राजनीतिक दलों को संदेश देता है कि केवल भाजपा में ही एक कार्यकर्ता जमीनी स्तर से ऊंचाइयों तक पहुंचता है, जबकि कांग्रेस में वंशवादी राजनीति के कारण यह असंभव है। प्रधानमंत्री मोदी और नितिन नबीन के नेतृत्व में देशभर में होने वाले चुनावों में वे चौके-छक्के लगाएंगे।इसके अलावा, उन्होंने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि पार्टी राज्य में अपनी पकड़ खो चुकी है। पत्रकारों से बात करते हुए सिंह ने दावा किया कि टीएमसी संविधान का सम्मान नहीं करती और राज्य में संघीय ढांचे का पालन किए बिना शासन चल रहा है। उन्होंने कहा, 卐बंगाल में टीएमसी पहले ही हार चुकी है... ये किस तरह के मुख्यमंत्री हैं जो संविधान का सम्मान नहीं करते... बंगाल पूरे देश का एकमात्र राज्य है जहां संघीय ढांचा नहीं है और संविधान का सम्मान नहीं किया जाता... लेकिन वहां का हिंदू समुदाय इस बार टीएमसी को हरा देगा। इस बीच, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और अन्य वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति में आज भाजपा मुख्यालय में भारतीय जनता पार्टी के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू हुई।

कुलदीप सिंह सेंगर को फिर नहीं मिली राहत

नयी दिल्ली १९/०१ (संवाददाता): दिल्ली उच्च न्यायालय ने सोमवार को उन्नाव बलात्कार पीड़िता के पिता की हिरासत में मौत से संबंधित मामले (कुलदीप सिंह सेंगर बनाम केंद्रीय जांच ब्यूरो) में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व विधायक कुलदीप सिंह सेंगर की जमानत याचिका खारिज कर दी। न्यायमूर्ति रविंदर दुडेजा ने कहा कि सेंगर 10 साल की सजा में से लगभग 7.5 साल हिरासत में बिता चुके हैं और इस मामले में उनकी दोषसिद्धि के खिलाफ अपील पर फैसला आने में देरी हुई है। यह देरी आंशिक रूप से सेंगर द्वारा दायर की गई कई याचिकाओं के कारण हुई है। इसलिए, उन्होंने जमानत और सजा के निलंबन की याचिका खारिज कर दी। उन्नाव बलात्कार पीड़िता के पिता को सेंगर के इशारे पर गिरफ्तार किया गया था और 9 अप्रैल, 2018 को पुलिस की बर्बरता के कारण हिरासत में उनकी मृत्यु हो गई। मार्च 2020 में दिल्ली की एक अदालत ने सेंगर और अन्य को उनकी मृत्यु के लिए दोषी ठहराया और 10 साल की कैद की सजा सुनाई।

गौरतलब है कि जून 2024 में उच्च न्यायालय ने सेंगर की इसी तरह की याचिका खारिज कर दी थी। न्यायालय ने तब कहा था कि अपराध की गंभीरता, अपराध की प्रकृति, दोषी का आपराधिक इतिहास और न्यायपालिका में जनता के विश्वास पर पड़ने वाले प्रभाव जैसे कारकों को ध्यान में रखते हुए, सेंगर सजा निलंबन के हकदार नहीं हैं। उन्नाव बलात्कार पीड़िता, जो एक नाबालिग थी, को कथित तौर पर 11 जून से 20 जून, 2017 के बीच सेंगर द्वारा अगवा कर बलात्कार किया गया था। इसके बाद उसे 60,000 रुपये में बेच दिया गया था। पीड़िता को सेंगर के निर्देशानुसार पुलिस अधिकारियों द्वारा लगातार धमकाया गया और चुप रहने की चेतावनी दी गई।

इस मामले में उस समय विवाद खड़ा हो गया जब बिना नंबर प्लेट वाली एक लॉरी ने पीड़िता की कार को टक्कर मार दी। पीड़िता और उसके वकील गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि उसकी दो चाचियों का निधन हो गया।

मुंबई मेयर रेस! उद्धव ठाकरे का मास्टरस्ट्रोक बिगाड़ सकता है शिंदे का खेल, बीएमसी में वर्चस्व की जंग तेज

मुंबई १९/०१ (संवाददाता): बृहन्मुंबई नगर निगम चुनावों में महायुति की बड़ी जीत के बाद अब असली मुकाबला %मुंबई के मेयर% की कुर्सी को लेकर शुरू हो गया है। जहाँ एक तरफ भारतीय जनता पार्टी और एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के बीच खींचतान जारी है, वहीं सूत्रों का दावा है कि उद्धव ठाकरे (स्ढ्ढ्र1 स्द्गठ्ठ ड्डक्क्ष) एक ऐसी चाल चल सकते हैं जो शिंदे की मोलभाव करने की शक्ति (ड्ढड्डह्म्द्दड्डद्बठ्ठद्बठ्ठद्द श्च2द्गह्म्) को पूरी तरह खत्म कर सकती है। सूत्रों के अनुसार, शिवसेना ने मांग की है कि मेयर का पद पहले साल के लिए पार्टी को दिया जाए, सूत्रों ने सोमवार को बताया। मुंबई में क्चछ्वक्क और शिवसेना की कुल ताकत 118 है, जो बहुमत के निशान 114 से चार ज्यादा है। 227 सीटों वाली बीएमसी में बहुमत के लिए 114 का आंकड़ा जरूरी है। हालिया नतीजों के बाद स्थिति कुछ इस प्रकार है-

सूत्रों के अनुसार, क्क्ष गुट क्क्ष्ट सदन में मेयर चुनाव के दौरान अपने सभी पार्षदों द्वारा वॉकआउट कराने पर विचार कर सकता है। इस तरह के कदम से वोटिंग के समय सदन की प्रभावी ताकत कम हो जाएगी, जिससे क्चछ्वक्क के लिए अपने दम पर बहुमत हासिल करना आसान हो जाएगा।

इससे मेयर के पद को लेकर बातचीत में एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना की सौदेबाजी की ताकत काफी कमजोर हो सकती है।

सूत्रों का कहना है कि अगर यह रणनीति लागू होती है, तो एकनाथ शिंदे को मुंबई नगर निगम में एक बड़ा झटका लग सकता है, क्योंकि सत्ताधारी महायुति गठबंधन का हिस्सा होने के बावजूद उनके गुट का दबदबा कम हो जाएगा। हालांकि क्क्ष कैंप की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है,

लेकिन अंदरूनी सूत्रों का दावा है कि मेयर की दौड़ तेज होने के साथ ही इस विकल्प पर सक्रिय रूप से विचार किया जा रहा है। इस बीच, शिवसेना (क्क्ष) नेता संजय राउत ने इस मुद्दे पर तीखी टिप्पणी करते हुए क्चछ्वक्क मेयर के चुनाव के खिलाफ चेतावनी दी। राउत ने कहा, 卐जिस दिन क्चछ्वक्क का मेयर या गद्दार का मेयर चुना जाएगा, मुंबई दुख में डूब जाएगी। क्या आप समझते हैं? ठीक उसी तरह जैसे वह काला दिन था जब मोरारजी देसाई ने फायरिंग का आदेश दिया था जिसमें 106 लोग मारे गए थे, जिस दिन क्चछ्वक्क का मेयर चुना जाएगा, वह दिन भी वैसा ही होगा।卐 अपनी पार्टी का रुख साफ करते हुए राउत ने कहा, 卐मैंने कब कहा कि मेयर नहीं चुना जाएगा? मैंने ऐसा कभी नहीं कहा। हम ऑप्शन देख रहे हैं। आप क्यों चिंता कर रहे हैं? पहले देखिए कि आपने क्लास 10 के एग्जाम में मैथ्स में कितने नंबर लाए थे, फिर कैलकुलेशन की बात करना। बीजेपी अपने मेयर की बात करती है, एकनाथ शिंदे के पास तो 30 कॉर्पोरेटर भी नहीं हैं, फिर भी वह अपने मेयर की बात करते हैं। चुनौती भरे लहजे में राउत ने जोर देकर कहा कि क्क्ष कैंप अभी भी राजनीतिक रूप से प्रासंगिक है। 卐जो लोग मेयर चुनना चाहते हैं, वे ऐसा करेंगे। हम अभी भी यहीं हैं। शेर अभी भी जिंदा है। शिवसेना और हमारे सहयोगियों के पास अभी भी उन्हें चुनौती देने के लिए नंबर हैं। कभी-कभी, आपको भी थोड़ा मज़ा करना चाहिए, और हमारे कैंप में अभी ठीक वैसा ही हो रहा है, उन्होंने कहा।

कलिंग समाचार
THE KALINGA SAMACHAR
(A Hindi Daily News Paper)
PUBLISHED FROM ODISHA, JHARKHAND & CHATTISHGARH
FOR NEWS AND ADVERTISEMENT CONTACT
AT: QRS. NO. B/204, SECTOR-16
ROURKELA, PH. 0661-2646999
PRAKASH KUMAR DHAL (EDITOR)
E-mail: thekalingasamachar@gmail.com

विविध समाचार

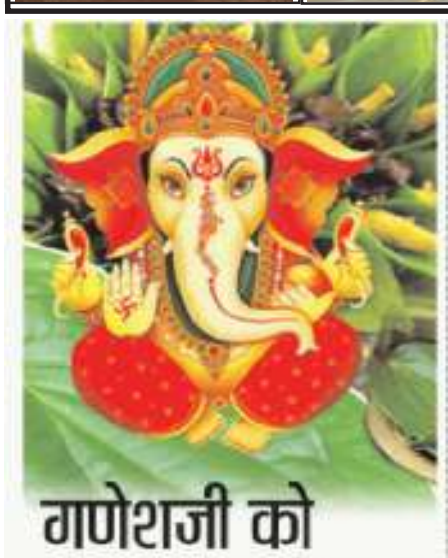

गणेशजी को बेहद प्रिय है पान का पत्ता

पान के पत्ते का महत्व धार्मिक कार्यों में बहुत खास माना गया है और भगवान को अर्पित की जाने वाली वस्तुओं में पान का पत्ता जरूर शामिल किया जाता है। गणेशजी को पान सबसे प्रिय होता है, इसलिए उनकी पूजा में पान जरूर चढ़ाया जाता है। आज हम आपको पान के कुछ ऐसे उपाय बता रहे हैं जिनको करने से गणेशजी के साथ ही अन्य देवी और देवता भी प्रसन्न होंगे।

गणेशजी को पान बेहद प्रिय है और उनकी पूजा में पान अर्पित करना बहुत ही शुभफलदायी माना जाता है। शास्त्रों में पान को पुरी फल कहा जाता है और भगवान को पान अर्पित करने से आपके घर में धन वृद्धि होती है और आपको सुख समृद्धि प्राप्त होती है। आज हम आपको बताने जा रहे हैं पान के कुछ खास उपाय। इन उपायों को करने से आपके सभी कष्ट दूर हो जाएंगे और बप्पा आपके जीवन में शुभ लाभ प्रदान करेंगे। आइए देखें कौन से हैं ये उपाय।

नए काम में सफलता के लिए

अगर आप कोई भी नया कार्य करने जा रहे हैं। कोई नया कारोबार शुरू करना चाहते हैं या फिर कहीं इंटरव्यू देने जा रहे हैं तो गणेशजी को पान के पत्ते पर लौंग और सुपारी अर्पित करके काम पर जाएं। ऐसा करने से आपको उस कार्य में सफलता मिलेगी। नई नौकरी में पद और वेतन आपको अपने मन के मुताबिक मिलेगा। लौटकर जब घर आएं तो इस पान सुपारी को प्रसाद के रूप में परिवार के सभी सदस्यों के बीच में बांट दें।

पान के पत्तों से शिवजी को करें प्रसन्न

गणेशजी के साथ ही भगवान शिव भी पान के पत्ते अर्पित करने से बहुत प्रसन्न होते हैं। पान के पत्ते में गुलकंद, कत्था, सुपारी, लौंग और इलाइची रखकर भगवान शिव को अर्पित करने से वह जल्द ही प्रसन्न होकर जातकों के मन की हर इच्छा पूर्ण करते हैं।

पान के पत्तों से दूर करें नजर दोष

वास्तु में पान के पत्तों का महत्व बहुत ही खास माना गया है। कहते हैं पान के अंदर नकारात्मक ऊर्जा को नष्ट करने की क्षमता होती है। अगर परिवार में किसी के ऊपर नजर दोष होने का शक है तो उस व्यक्ति को पान के पत्ते के साथ गुलाब की 7 पंखुड़िया रखकर खिला दें। ऐसा करने से नजर का दोष दूर होता है और व्यक्ति स्वस्थ खुशहाल होता है।

धन की प्राप्ति के लिए पान का उपाय

अगर काफी मेहनत के बाद भी आपको धन कमाने में सफलता नहीं मिल रही है तो पान का यह उपाय आप करके देख सकते हैं। शुक्रवार के दिन पान के पत्ते पर सफेद बर्फी रखकर मां लक्ष्मी को अर्पित करें। ऐसा करने से मां लक्ष्मी आपसे प्रसन्न होंगी और आपके घर को धन से भर देंगी।

कौन थे भगवान स्वामीनारायण अक्षरधाम जैसे हैं दुनिया में जिनके कई मंदिर

आपने स्वामी नारायण संप्रदाय के भव्य मंदिरों को देखा होगा। गुजरात और दिल्ली सहित देश और दुनिया में इस संप्रदाय के हजारों मंदिर है। आओ जानते हैं कि कौन है भगवान स्वामीनारायण, जिनके नाम पर है एक प्रसिद्ध गाना...स्वामी नारायण नारायण हरि हरि भजमन नारायण नारायण हरि हरि।

अप्रैल 1781 में अयोध्या के पास छपिया नामक गांव में घनश्याम पांडे का जन्म हुआ। हाथ में पद्म और पैर से वज्र, ऊर्ध्व रेखा तथा कमल जैसे दिखने वाले चिन्ह देखकर ज्योतिषियों ने कहा कि यह बालक लाखों लोगों के जीवन को सही दिशा देगा। जन्म के 5 वर्ष की अवस्था में उन्होंने विद्या आरंभ की। 8 वर्ष की आयु में उनका जनेऊ संस्कार हुआ। इस संस्कार के बाद उन्होंने अनेकों शास्त्रों को पढ़ लिए। जब वे 11 वर्ष के हुए तब उनके माता-पिता हरिप्रसाद पांडे और प्रेमवती पांडे का देहांत हो गया। इसके बाद वे घर छोड़कर संन्यासी बनकर पूरे देश की परिक्रमा करने के लिए निकल पड़े। इसी दौरान उनकी नीलकंठ वर्णी के रूप में पहचान स्थापित हो चली थी। इस दौरान उन्होंने गोपाल योगी से अष्टांग योग सीखा।

कुछ समय बाद स्वामी रामानंद ने नीलकंठ वर्णी को पीपलाणा गांव में दीक्षा देकर उनका नाम सहजानंद रख दिया। एक साल बाद जेतपुर में उन्होंने सहजानंद को अपने सम्प्रदाय का आचार्य पद भी दे दिया। रामानंद के जाने के बाद सहजानंद जी गांव गांव जाकर स्वामी नारायण मंत्र का जप करने और भजन करने की अलख जगाने लगे।

भारत के कई प्रदेशों में भ्रमण करने के बाद वे गुजरात आकर रुके। यहां उन्होंने अपने एक नए संप्रदाय की शुरुआत की और उनके सभी अनुयायियों ने इस संप्रदाय को अंगीकार किया। तब वे पुरुषोत्तम नारायण कहलाए जाने लगे। उन्होंने देश में फैली कुरीतियों को खत्म करने के लिए कई कार्य? किए और जब भी देश में प्राकृतिक आपदाएं आई तो उन्होंने अपने अनुयायियों की मदद से लोगों की सेवा की। इस सेवाभाव के चलते लोग उन्हें अवतारी मानने लगे और इस तरह उन्हें स्वामी नारायण कहा जाने लगा। घनश्याम पांडे से नीलकंठवर्णी, नीलकंठ वर्णी से वे पुरुषोत्तम सहजानंद स्वामी और बाद में स्वामी नारायण बन गए।

मानव जाति और धर्म के लिए सेवाभाव की प्रेरणा देते हुए साल 1830 में स्वामीनारायण का देहांत हो गया, लेकिन उनके मानने वाले आज दुनिया के कोने-कोने में हैं जो उन्हें भगवान मानते हैं। उनकी मंदिरों में मूर्तियां स्थापित करके अब उनकी पूजा होने लगी है और साथ ही मंदिरों के माध्यम से भी उनका जीवन दर्शन देखा जा सकता है। जबकि सहजानंद ने नारायण नारायण जपने और श्रीहरि की भक्ति को ही सर्वोपरि माना।

षटतिला एकादशी के दिन भगवान श्री विष्णु का पूजन करने तथा नहाने के जल में तिल मिलाकर स्नान करने, तिल का दान तथा तिल से हवन और तर्पण आदि करने का बहुत महत्व है। मान्यतानुसार इस दिन तिल का अधिक से अधिक उपयोग करने से ज्यादा पुण्य फल मिलता है।

षटतिला एकादशी 2026 ऐसे करें भगवान विष्णु को प्रसन्न

प्रत्येक वर्ष माघ मास के कृष्ण पक्ष की एकादशी को षटतिला एकादशी का व्रत रखा जाता है। इस साल यह व्रत 14 जनवरी को है। इस दिन जगत के पालनहार भगवान श्री हरि विष्णु की विधि-विधान से पूजा की जाती है।

प्रत्येक वर्ष माघ मास के कृष्ण पक्ष की एकादशी को षटतिला एकादशी का व्रत रखा जाता है। इस दिन जगत के पालनहार भगवान श्री हरि विष्णु की विधि-विधान से पूजा की जाती है। व्रत और पूजा के साथ ही इस एकादशी पर भगवान विष्णु को तिल का भोग लगाया जाता है। साथ ही तिल का दान भी किया जाता है। धार्मिक मान्यता है कि षटतिला एकादशी के दिन तिल का दान करने से स्वर्ग की प्राप्ति होती है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन जो व्यक्ति जितना तिल दान करता है, उसे उतने हजार वर्ष तक स्वर्ग में स्थान प्राप्त होता है।

षटतिला एकादशी पूजा विधि

- षटतिला एकादशी व्रत रखने वाले दिन गंध, फूल, धूप दीप, पान सहित विष्णु भगवान की षोडशोपचार से पूजन करें।
- उड़द और तिल मिश्रित खिचड़ी बनाकर भगवान को भोग लगाएं।
- रात को तिल से 108 बार ॐ नमो भगवते वासुदेवाय स्वाहा इस मंत्र से हवन करें।
- रात को भगवान के भजन करें, अगले दिन ब्राह्मणों को भोजन करवाएं।
- इसके बाद ही स्वयं तिल युक्त भोजन करें।

षटतिला व्रत का महत्व

हिंदू धर्म षटतिला एकादशी का बहुत ज्यादा महत्व है। इस व्रत के प्रभाव से घर में सुख-शांति के वास होता है। इस दिन तिल का विभिन्न तरह से इस्तेमाल करके हर कष्ट से छुटकारा पाया जा सकता है। इस व्रत को करने से जातक पर श्री हरि विष्णु की कृपा बनी रहती है।

गलती से भी घर में न लगाएं मां लक्ष्मी की ऐसी तस्वीर, आ सकती है आर्थिक तंगी

सनातन धर्म में मां लक्ष्मी को धन की देवी माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक मां लक्ष्मी जिस भी व्यक्ति पर प्रसन्न हो जाती हैं उसपर अपनी अतीव कृपा बरसाती हैं। कहा जाता है कि जो व्यक्ति मां लक्ष्मी की विधि विधान से पूजा करता है उसे कभी धन-दौलत की कमी नहीं होती है। इसलिए लोग मां लक्ष्मी को प्रसन्न करने के लिए विभिन्न प्रकार से उनकी पूजा अर्चना करते हैं। अक्सर लोग अपने घरों में मां लक्ष्मी की मूर्ति या तस्वीर लगाते हैं। घर में मां लक्ष्मी की तस्वीर या मूर्ति लगाना शुभ माना जाता है। मगर कई बार लोग जाने-अनजाने में मां लक्ष्मी की कुछ ऐसी तस्वीर लगा लेते हैं जो भूलकर भी घर में नहीं लगानी चाहिए। अगर में उन तस्वीरों को लगाने से घर में कंगाली आ सकती है। ऐसे में माता लक्ष्मी की तस्वीर लगाते समय कुछ बातों का ध्यान रखना बहुत जरूरी होता है। इसलिए आइए इस लेख में विस्तार से जानते हैं कि मां लक्ष्मी की किन तस्वीरों को लगाने से बचना चाहिए।

न लगाएं उल्लू के साथ मां लक्ष्मी की तस्वीर

मां लक्ष्मी को धन की देवी माना जाता है। हालांकि, उल्लू को उनका वाहन माना जाता है, फिर भी मां लक्ष्मी की उल्लू पर सवार तस्वीर घर में नहीं लगानी चाहिए। ऐसी मान्यता है कि जब मां लक्ष्मी के पास उल्लू की मूर्ति होती है तो वो उल्लू पर सवार होकर चली जाती हैं। इसलिए, ऐसी तस्वीर घर में रखने से मां लक्ष्मी की कृपा से वंचित होने का खतरा रहता है।

न लगाएं ऐसी तस्वीर

शास्त्रों के अनुसार, मां लक्ष्मी की खड़ी हुई मुद्रा वाली तस्वीर घर में रखना शुभ नहीं माना जाता। ऐसा माना जाता है कि खड़ी हुई मुद्रा में मां लक्ष्मी का चित्रण उनकी चंचलता को दर्शाता है। जब मां लक्ष्मी खड़ी होती हैं, तो यह इस बात का संकेत होता है कि वे एक जगह स्थिर नहीं रहेंगी और जल्द ही घर से चली जाएंगी। इसलिए, मां लक्ष्मी की ऐसी तस्वीर घर में रखने से धन और समृद्धि में कमी आ सकती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, मां लक्ष्मी की बैठी हुई मुद्रा वाली तस्वीर को ही घर में स्थापित करना शुभ माना जाता है।

ऐसी तस्वीर होती है शुभ

मां लक्ष्मी की कमल के फूल पर विराजमान और सोने के सिक्के बरसाते हुए तस्वीर को शुभ माना जाता है। यह चित्रण देवी लक्ष्मी की धन और समृद्धि प्रदान करने वाली शक्ति का प्रतीक है। ऐसी तस्वीर घर में रखने से धन-धान्य की वृद्धि होती है।

आशीर्वाद की मुद्रा

घर में मां लक्ष्मी की ऐसी तस्वीर लगाना शुभ होता है, जिसमें वे आशीर्वाद मुद्रा में बैठी हों। ऐसी तस्वीर से घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और माता लक्ष्मी हमेशा कृपा बरसाती हैं। एक तस्वीर धन और समृद्धि का प्रतीक मानी जाती है।

पर्स में नहीं टिक रहा पैसा, आमदनी से ज्यादा खर्च से हैं परेशान, अपनाएं ये आसान वास्तु टिप्स

अक्सर लोग इस बात को लेकर परेशान रहते हैं कि मेहनत करने के बाद भी उनके पास पैसा नहीं टिक पाता। अच्छी खासी कमाई होने के बाद भी खर्च इतने बढ़ जाते हैं कि बचत करना नामुमकिन हो जाता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, इसका कारण घर या ऑफिस में कुछ छोटे-छोटे वास्तु दोष होते हैं, जो धन के प्रवाह को रोकते हैं। समय रहते इन दोषों को दूर करने से आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार आ सकता है और मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त हो सकती है। आइए जानते हैं वास्तु के कुछ आसान टिप्स जो इन दोषों को दूर कर आपकी आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाते हैं।

कुबेर देवता का मनाने के उपाय

वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर की उत्तर दिशा धन और समृद्धि से जुड़ी होती है, जिसके स्वामी धन के देवता कुबेर हैं। इस क्षेत्र को साफ-सुथरा रखने से आर्थिक स्थिति मजबूत होती है। उत्तर दिशा में पानी का फव्वारा लगाना बहुत ही शुभ माना जाता है। पानी के फव्वारे से बहता पानी धन के प्रवाह से जुड़ा होता है।

रसोई घर के लिए शुभ दिशा

रसोई घर को सबसे महत्वपूर्ण स्थानों में से एक माना जाता है। यह घर के स्वास्थ्य और समृद्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। वास्तु के अनुसार, रसोई घर के दक्षिण-पूर्व दिशा में होना चाहिए। ध्यान रखें कि घर की उत्तर दिशा में रसोई घर न बनाएं। इससे आपकी आर्थिक स्थिति पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

इस गुफा में आज भी रखा है गणेशजी का कटा हुआ सिर

आज हम आपको पता रहे हैं कि एक गुफा के बारे में, जहां आज भी भगवान गणेश का कटा हुआ सिर रखा हुआ है। जब भगवान शिव ने क्रोध में आकर गणेशजी का सिर धड़ से अलग कर दिया था, तब बाद में माता पार्वती के कहने पर हाथी मस्तक लगा दिया था। उसके बाद कटे हुए सिर को शिवजी ने एक गुफा में सुरक्षित रख दिया था।

पहाड़ के 90 फीट अंदर है गुफा

भगवान शिव ने जहां भगवान गणेश का सिर रखा था, यह गुफा उत्तराखंड के पिथौरागढ़ में स्थित है। इस गुफा को पाताल भुवनेश्वर के नाम से जाना जाता है। ये गुफा पहाड़ के करीब 90 फीट अंदर है। यहां विराजित गणेशजी की मूर्ति को आदिगणेश के नाम से जाना जाता है। मान्यता है कि इस गुफा की खोज 1191 ई. में आदिशंकराचार्य द्वारा की गई थी। इसका वर्णन स्कंद पुराण के मानस खंड में किया गया है।

इस दिन होगा कलियुग का अंत

पाताल भुवनेश्वर गुफा में चार युगों का प्रतीक के रूप में चार पत्थर मौजूद हैं। इनमें से एक पत्थर धीरे धीरे ऊपर उठ रहा है, उस पत्थर को कलयुग का प्रतीक माना जाता है। यह पत्थर एक हजार साल में एक बढ़ता है। बताया जाता है कि जिस दिन यह पत्थर दीवार से टकरा जाएगा, उस दिन कलियुग का अंत हो जाएगा।

शिवजी के साथ तैंतीस कोटि देवता हैं विराजमान

पाताल भुवनेश्वर गुफा के बारे में बताया जाता है कि यहां भगवान गणेश और शिव के साथ तैंतीस कोटि देवी देवता विराजमान हैं। इस गुफा में बद्रीनाथ, केदारनाथ और अमरनाथ के भी दर्शन होते हैं। बद्रीनाथ में बद्री पंचायत की शिला रूप मूर्तियां है, जिनमें यम कुबेर, वरुण, लक्ष्मी, गरुड़ और गणेशजी शामिल है। इस पंचायत के ऊपर बाबा अमरनाथ की गुफा है और पत्थर की बड़ी बड़ी जटाएं फैली हुई है।

मस्तक पर टपकती है दिव्य बूंद

पाताल भुवनेश्वर गुफा में काल भैरव जीभ के भी दर्शन होते हैं। मान्यता है कि काल भैरव के मुंह से गर्भ में प्रवेश कर उसके अंत तक यानी पूंछ तक पहुंच जाएं तो उसको मोक्ष की प्राप्ति हो जाती है। गुफा में भगवान गणेश की शिला रूपी मूर्ति के ऊपर 108 पंखुड़ियों वाला शाश्वत कमल ब्रह्मकमल शोभायमान है। इस ब्रह्मकमल से भगवान गणेश के मस्तक पर जल की दिव्य बूंद टपकती है। मुख्य बूंद आदि गणेश के मुख पर गिरती दिखाई देती है।

कलिंग समाचार

संपादकीय

मंगलवार 20 जनवरी 2026

फिर निशाने पर जेएनयू

देश के प्रतिष्ठित उच्च शिक्षण संस्थान जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय पर एक बार फिर दक्षिणपंथी विचारधारा के लोग हमलावर हैं। इस संस्थान को टुकड़े-टुकड़े गैंग का अड्डा बताया जा रहा है। मोदी सरकार के आने के बाद से जेएनयू भाजपा और संघ समर्थकों के निशाने पर रहता आया है। खासकर संस्थान के जो छात्र वामपंथी विचारों के हैं, उन्हें किसी न किसी तरीके से देशद्रोही ठहराने की कोशिशें की जाती हैं। वही कोशिशें सोमवार से फिर शुरु हो चुकी हैं। दरअसल सोमवार 5 जनवरी को सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली दंगों में आरोपी बनाए गए उमर खालिद और शरजील इमाम की जमानत याचिका खारिज कर दी, जबकि अन्य पांच सह आरोपियों को जमानत दे दी गई है। जबकि छह साल पहले 2020 में जेएनयू के इतिहास की सबसे बड़ी हिंसक घटना 5 जनवरी को हुई थी। जिसमें विवि परिसर में नकाबपोश लोगों की भीड़ ने हॉस्टलों में घुसकर छात्रों पर लाठी, पत्थर और लोहे की रॉड से हमला किया था। इस हमले में तत्कालीन छात्रसंघ अध्यक्ष आइशी घोष सहित कम से कम 28 लोग घायल हुए थे, इसमें दिल्ली पुलिस की भूमिका पर भी सवाल उठे थे कि आखिर उसके रहते इतनी बड़ी घटना कैसे हुई। आज तक उस घटना के असल दोषियों को सजा नहीं हुई है। इसी पर हर साल जेएनयू में छात्र इकट्ठा होकर अपने गुस्से का इजहार करते हैं। सोमवार रात भी छात्र एकत्र हुए और जेएनयू परिसर में नरेन्द्र मोदी और अमित शाह के खिलाफ नारेबाजी हुई। इसमें उनके लिए आपत्तिजनक शब्दों के इस्तेमाल की भी खबरें हैं। यह सही है कि किसी भी तरह के विरोध प्रदर्शन में कट्टर से कट्टर विरोधी के लिए भी मर्यादा के दायरे में रहकर शब्दों का इस्तेमाल होना चाहिए। लेकिन फिर यह संतुलन दोनों पक्षों से अपेक्षित होता है। अभी केन्द्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा है कि कुछ लोगों ने जेएनयू को टुकड़े-टुकड़े गिरोह का अड्डा बना दिया है। राहुल गांधी, टीएमसी, क युनिस्ट जैसे लोग इस गिरोह का हिस्सा हैं... ये लोग सुप्रीम कोर्ट में विश्वास नहीं रखते। उमर खालिद और शरजील इमाम के समर्थन में और प्रधानमंत्री मोदी व अमित शाह के खिलाफ नारे लगाए जा रहे हैं। ऐसे लोगों पर देशद्रोह का मुकदमा चलना चाहिए। पाकिस्तान जैसी मानसिकता रखने वालों को भारत की जनता ऐसे लोगों को कभी बर्दाश्त नहीं करेगी।सरकार के विरोध में जब भी कोई आवाज शैक्षणिक परिसरों से उठती है, उसे दबाने या फिर गलत साबित करने की कोशिशें शुरु हो जाती हैं। जेएनयू में तो अब होली-दीवाली जैसे मौकों पर भी खान-पान के नाम पर ही झड़पें होने लगी हैं। एक बार तो विजयादशमी पर एबीवीपी ने रावण दहन में अफजल गुरु, उमर खालिद और शरजील इमाम के चित्र लगाकर पुतला जलाए, जिस पर वामपंथी समूहों ने इसे इस्लामोफोबिया और नफरत फैलाने का आरोप लगाया। ऐसी तमाम झड़पों और हिंसक घटनाओं के पीछे मकसद यही है कि किसी भी तरह विश्वविद्यालय परिसर को हिंदुत्ववादी गतिविधियों का अड्डा बनाया जाए। सोमवार के विरोध के बाद ही एबीवीपी ने कहा है कि वह इस विरोध प्रदर्शन की शिकायत पुलिस में करेगा। वहीं जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय छात्र संघ की अध्यक्ष अदिति मिश्रा ने कहा है कि छात्र 5 जनवरी, 2020 को परिसर में हुई हिंसा की निंदा करने के लिए हर साल विरोध प्रदर्शन करते हैं। उन्होंने बताया, विरोध प्रदर्शन में लगाए गए सभी नारे वैचारिक थे और किसी पर व्यक्तिगत रूप से हमला नहीं है। वे किसी को लक्षित करते हुए नहीं थे। बता दें कि जेएनयू में वामपंथी समर्थित छात्र संगठन का कब्जा है और यह भी संघ और भाजपा के लिए एक बड़ी कसक है कि उसकी तमाम कोशिशों के बावजूद जेएनयू में वाममोर्चा पस्त नहीं हो रहा है। जेएनयू में सोमवार रात लगे नारों पर कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने कहा है कि आप लोगों की आलोचना कर सकते हैं, लेकिन अपनी भावनाओं को शब्दों में व्यक्त करने का एक तरीका होता है। वहीं राजद सांसद मनोज झा ने पूछा है कि क्या यह चुनिंदा आक्रोश है? हां, लोग स्वाभाविक रूप से गुस्से में हैं। हममें से कई लोगों को भी लगता था कि शरजील और उमर को जमानत मिल जानी चाहिए थी। पांच साल से अधिक समय बीत चुका है और मुकदमे के नाम पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।

वेनेजुएला के काले सोने के भंडार पर डोनाल्ड ट्रंप का जोखिम भरा दांव

के रवींद्रन

अर्थव्यवस्था के अलावा, राजनीतिक और सुरक्षा का माहौल निवेशकों के लिए हिफाजत के ट्रंप के भरोसे को परखेगा। निकोलस मादुरो को पकड़ने के लिए अचानक हुए सैन्य कार्रवाई और उसके बाद वेनेजुएला की तेल बिक्री पर अनिश्चितकाल तक के लिए नियंत्रण के ट्रंप प्रशासन के दावे की दुनिया भर में कड़ी आलोचना हुई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का खनिज तेल (काला सोना) के मामले में वेनेजुएला पर ज़्यादा ध्यान देना, अमेरिकी नीति और वैश्विक ऊर्जा बाजार को बनाने में इस दक्षिण अमेरिकी देश की पेट्रोलियम संपदा की रणनीतिगत अहमियत को दिखाता है। दशकों से, वेनेजुएला के बड़े तेल भंडार, जो कभी उसकी अर्थव्यवस्था की नींव थे, कुप्रबंधन, पाबंदियों और अवसंरचना की कमी की वजह से खराब हो गए हैं।

फिर भी ट्रंप के हालिया काम— सुरक्षा का भरोसा देकर दुनिया की बड़ी तेल कंपनियों से वेनेजुएला लौटने को कहने से लेकर वेनेजुएला के तेल प्रवाह पर अमेरिकी नियंत्रण का दावा करने तक— उन संसाधनों का इस्तेमाल करने की एक सोची-समझी कोशिश दिखाते हैं। अब सवाल यह है कि क्या यह दांव खनिज तेल उत्पादन को 21वीं सदी के शुरुआती लेवल, लगभग 30 लाख बैरल प्रतिदिन पर वापस ला सकता है? अगर हां, तो कितनी तेज़ी से और किस कीमत पर?

वेनेजुएला के पास किसी भी दूसरे देश से ज़्यादा तेल के पक्के भंडार हैं, जिसका अंदाज़ा लगभग 303अरब बैरल है। यह आंकड़ा दुनिया भर के कच्चे तेल के भंडार का लगभग 17 प्रतिशत है, जो बड़े उत्पादक देशों को बहुत पीछे छोड़ देता है और तेल बाज़ारों पर लंबे समय तक असर डालता है। पिछली सरकारों के तहत, जिसमें 1990 के दशक के आखिर और 2000 के दशक की शुरुआत भी शामिल है, वेनेजुएला का रोज़ का कच्चे तेल का उत्पादन 30 लाख बैरल के करीब या उससे ज़्यादा था, जिससे यह दुनिया के बड़े खनिज तेल निर्यातकों में से एक बन गया। आज उसका उत्पादन गिरकर 10 लाख बैरल प्रतिदिन से भी कम हो गया है, जो इसकी क्षमता का एक छोटा सा हिस्सा है, जिसे कम निवेश, राजनीतिक उथल-पुथल, पाबंदियों, और सरकारी कंपनी पेट्रोलियोसडी वेनेजुएला एस.ए. की खराब हालत ने रोका है।

ट्रंप प्रशासन का तरीका भू-राजनीतिक दबदबे को निजी पूंजी के उनके आग्रह के साथ जोड़ता है। शेवरॉन, एक्सॉन मोबिल और कोनोकोफिलिप्स के कार्यपालक अधिकारियों के साथ हाल की बैठक में, ट्रंप ने वेनेजुएला की खनिज तेल संपदा के साथ बड़े पैमाने पर फिर से जुड़ने को बढ़ावा दिया है, उनके कार्यसंचालन के लिए %पूरी हिफाजत और सलामती% का वादा किया है, और अमेरिकी सरकार के पूंजी के बिना कम से कम 100 अरब डालर के औद्योगिक निवेश की अपील की है। यह पेशकश खनिज तेल उत्पादन को फिर से शुरू करने की इच्छा और अमेरिकी हितों के लिए अच्छी शर्तों पर वेनेजुएला के कच्चे तेल को वैश्विक बाजार के साथ समेकित करने की इच्छा, दोनों को दिखाती है। यह इस क्षेत्र में चीनी और रूसी प्रभाव का मुकाबला करने सहित बड़े भूराजनीतिक मकसदों को भी पूरा करता है।

हालांकि, तेल कंपनियों से की गई अपील को नपी-तुली प्रतिक्रिया मिली है। शेवरॉन, जो पीडीवीएसए के साथ संयुक्त उपक्रम के ज़रिए वेनेजुएला में चल रहे संचालन वाली एकमात्र बड़ी अमेरिकी कं पनी है, ने अगले 18-24 महीनों में शायद 50 प्रतिशत तक उत्पादन बढ़ाने की तैयारी जताई है, अगर नियामक और संचालन के हालात इजाज़त देंगे। लेकिन एक्सॉनमोबिल जैसी कंपनियां ज़्यादा सावधान रही हैं, और उसके नेतृत्व ने वेनेजुएला को बड़े कानूनी और वाणिज्यिक सुधारों के बिना निवेश करने लायक नहीं बताया है। पहले हुई ज़ब्ती और मुआवज़े के अनसुलझे दावों ने एक ऐसे देश को बड़ी रकम देने को लेकर डर बनाए रखा है जो लंबे समय से राजनीतिक अस्थिरता से जूझ रहा है। वेनेजुएला को 1970 के दशक के चरम उत्पादन जैसी स्थिति में वापस लाना सिफ़ एक प्रतीकात्मक उ मीद से कहीं ज़्यादा है। यह आगे आने वाली बड़ी चुनौतियों को दिखाता है। विश्लेषकों का कहना है कि मौजूदा खनिज तेल क्षेत्रों और पाइप लाइनों में धीरे-धीरे सुधार अरबों डॉलर की पूंजी से किया जा सकता है, जिससे कुछ सालों में उत्पादन कई लाख बैरल प्रतिदिन बढ़ सकता है। फिर भी, 30 लाख बैरल प्रति दिन उत्पादन तक पहुंचने के लिए— जो मौजूदा लेवल से तीन गुना से भी ज़्यादा है— शायद 50अरब डालर के अनुदार अनुमान से कहीं ज़्यादा लगातार निवेश की ज़रूरत होगी, जो शायद एक दशक या उससे ज़्यादा समय में सैकड़ों अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। यह सिफ़ ड्रिलिंग और खनन सुविधाओं की पूंजी की कीमत को ही नहीं दिखाता, बल्कि ऊर्जा अवसंरचना, परिवहन, रखरखाव और ऊर्जा क्षेत्र को नियंत्रित करने वाले संस्थानिकतानेबाने में बड़े बदलाव की ज़रूरत को भी दिखाता है। वेनेजुएला के कच्चे तेल की प्रकृति इसे और मुश्किल बनाता है। देश का ज़्यादातर तेल भारी और खट्टा होता है, जिसके लिए घोलक रसायन और खास परिष्करण क्षमता की ज़रूरत होती है। हालांकि अमेरिकी खाड़ी तट के परिष्करण संयंत्र ऐसी श्रेणी को प्रसंस्कृत करने के लिए काफी अच्छी तरह से तैयार हैं, लेकिन भारी खनिज तेल की अर्थव्यवस्था दूसरी जगहों पर बनने वाले हल्के विकल्पों की तुलना में कम आकर्षक हैं। यह कारक, वैश्विक खनिज तेल की अस्थिर कीमतों और दूसरे इलाकों से प्रतिस्पर्धी आपूर्ति के साथ मिलकर, बड़ी तेल कंपनियों के लिए बिना किसी पक्की गारंटी और स्थिर वाणिज्यिक शर्तों के वेनेजुएला की गहरी समस्याओं में उतरने के लिए अल्पावधि वित्तीय प्रोत्साहन को कमजोर करता है। अर्थव्यवस्था के अलावा, राजनीतिक और सुरक्षा का माहौल निवेशकों के लिए हिफाजत के ट्रंप के भरोसे को परखेगा। निकोलस मादुरो को पकड़ने के लिए अचानक हुए सैन्य कार्रवाई और उसके बाद वेनेजुएला की तेल बिक्री पर अनिश्चितकाल तक के लिए नियंत्रण के ट्रंप प्रशासन के दावे की दुनिया भर में कड़ी आलोचना हुई है। क्षेत्रीय नेता और अन्तरराष्ट्रीय पर्यवेक्षक चेतावनी देते हैं कि इस तरह के दखल स प्रभुता को कमजोर करते हैं और पहले से ही कमजोर देश को अस्थिर करने का जोखिम उठाते हैं। जहां ट्रंप इस कदम को वेनेजुएला के लोगों के लिए फायदेमंद और ऊर्जा सुरक्षा का रास्ता बताते हैं, वहीं आलोचक इसे अनिश्चित नतीजों के साथ एक सामरिक संसाधन हड़पने के रूप में देखते हैं। ज़्यादा जानें विशेष रिपोर्ट सदस्यता मु य शीर्षक खेल समाचार राजनीति समाचार खेल उपकरण प्रमुख समाचार ई-पेपर डिजिटल मार्केटिंग सेवाएँ बॉलीवुड समाचार पत्रिका ई-पेपर सदस्यता अंदरूनी तौर पर, वेनेजुएला ढांचागत चुनौतियों का सामना कर रहा है। कई रुकावटें हैं जिन्हें सिफ़ बाहरी पूंजी से हल नहीं किया जा सकता। दशकों तक कम निवेश और राजनीतिक दखलअंदाज़ी ने उस विशेषज्ञता और आवसंरचना को कमज़ोर कर दिया है जो कभी पीडीनीएसए के कार्यसंचालन के आधार थे। लगातार बिजली कटौती, ईंधन की कमी और बार-बार रिफाइनरी खराब होना सिस्टम की गहरी नाकामियों के लक्षण हैं जिनसे निवेशकों को निपटना होगा। मज़बूत प्रशासनिक सुधारों और भरोसेमंद कानूनी सुरक्षा के बिना, बहुराष्ट्रीय कंपनियां पूरे औद्योगिक पुनर्जागरण के लिए ज़रूरी संसाधनों का निवेश करने में हिचकिचा सकती हैं। वेनेजुएला के खनिज तेल उत्पादन को फिर से शुरू करने के व्यापक नतीजे उसकी सीमाओं से कहीं आगे तक जाते हैं। अगर उत्पादन में काफ़ी बढ़ोतरी होती है, तो वैश्विक तेल बाज़ारों में कीमतों पर नीचे की ओर दबाव दिख सकता है, जिससे उपभोक्ताओं को फ़ायदा होगा लेकिन संभावित रूप से अन्य उत्पादकों, जिसमें अमेरिकी शेल ऑपरेटर भी शामिल हैं, के मुनाफ़े के मार्जिन पर दबाव पड़ सकता है। बाज़ार में बड़ी मात्रा में वेनेजुएला के कच्चे तेल के आने से व्यापार प्रवाह भी बदल सकता है, खासकर अगर चीनी रिफाइनरियों के साथ संबंध- जो लंबे समय से वेनेजुएला के तेल के खरीदार हैं- बाधित या पुनर्निर्देशित होते हैं। ट्रंप की खनिज तेल-केंद्रित रणनीति में ऊंचे जोखिम और फायदे अनिश्चित हैं। इसका मकसद वेनेजुएला की भू-भौतिक संपदा का फ़ायदा उठाना और पश्चिमी गोलार्ध में भू-राजनीतिक गठबंधनों को फिर से आकार देना है। अगर यह सफल होती है, तो यह एक कमज़ोर क्षेत्र को फिर से मज़बूत कर सकती है, वेनेजुएला की एक ही वस्तु पर आर्थिक निर्भरता को कम कर सकती है, और ऊर्जा बाज़ारों पर अमेरिकी प्रभाव को मज़बूत कर सकती है। फिर भी, उत्पादन में सार्थक उछाल का रास्ता मुश्किल है, जिसके लिए न सिफ़ पूंजी बल्कि राजनीतिक स्थिरता, संस्थागत सुधार और वेनेजुएला सरकार और विदेशी निवेशकों दोनों की ओर से लगातार प्रतिबद्धता की ज़रूरत है।

प्रवासी भारतीय दिवस

अरुण कुमार डनायक

भारत पिछले कई वर्षों से विश्व में सर्वाधिक रेमिटेंस प्राप्त करने वाला देश है। प्रवासी भारतीयों द्वारा भेजा गया रेमिटेंस न केवल विदेशी मुद्रा भंडार को सुदृढ़ करता है, बल्कि अर्थव्यवस्था, शिक्षा, स्वास्थ्य और स्टार्टअप सहित छोटे व्यवसायों को भी आधार देता है। जून 2025 तक भारतीय बैंकों में एनआरआई जमा राशियां लगभग 3.6 बिलियन डॉलर रहीं, जबकि वित्त वर्ष 2024-25 में रेमिटेंस बढ़कर 135.46 बिलियन डॉलर पहुंच गया।

इतिहास की कुछ तिथियां केवल अतीत की स्मृति नहीं, भविष्य की दिशा भी तय करती हैं। 9 जनवरी ऐसी ही एक तिथि है, जब 1915 में महात्मा गांधी दक्षिण अफ्रीका से भारत लौटे और स्वतंत्रता आंदोलन को नई दिशा मिली। राजनीतिक निराशा के दौर में उन्होंने देश का भ्रमण कर भारत की आत्मा को समझा और व्यापक जन-आंदोलन की नींव रखी। इसी ऐतिहासिक वापसी की स्मृति में 9 जनवरी को प्रवासी भारतीय दिवस मनाया जाता है—जो गांधीजी की विरासत और विदेशों में बसे भारतीयों के योगदान दोनों का स मान करता है।

भारत विश्व का सबसे बड़ा प्रवासी समुदाय वाला देश है। 1990 में जहां प्रवासी भारतीयों की सं या लगभग 66 लाख थी, आज विश्व भर में लगभग 3.5 करोड़ भारतीय रहते हैं, जिनमें करीब 1.6 करोड़ अप्रवासी भारतीय और लगभग 1.95 करोड़ विदेशी नागरिकता प्राप्त भारतीय मूल के लोग शामिल हैं। विभिन्न अनुमानों के अनुसार, अमेरिका में 55 लाख, संयुक्त अरब अमीरात में 36 लाख और मलेशिया में 28 लाख भारतीय मूल के लोग निवास करते हैं। इसके अलावा अन्य देशों में भी बड़ी सं या में भारतीय बसे हुए हैं। खाड़ी देशों में कुल प्रवासी भारतीयों का लगभग आधा हिस्सा निवास करता है। यूरोप और खाड़ी देशों में भारतीय कुशल एवं अर्ध-कुशल पेशेवरों की बढ़ती मांग के चलते श्रमिकों की अंतरराष्ट्रीय आवाजाही अब केवल आर्थिक विषय नहीं रह गई है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक संवाद का महत्वपूर्ण हिस्सा बन गई है। आज भारत कई देशों के साथ द्विपक्षीय समझौतों में कौशल-आधारित श्रम सहयोग, सामाजिक सुरक्षा और सुरक्षित आव्रजन को केंद्रीय विषय के रूप में आगे बढ़ा रहा है।

भारत पिछले कई वर्षों से विश्व में सर्वाधिक रेमिटेंस प्राप्त करने वाला देश है। प्रवासी भारतीयों द्वारा भेजा गया रेमिटेंस न केवल विदेशी मुद्रा भंडार को सुदृढ़ करता है, बल्कि अर्थव्यवस्था, शिक्षा, स्वास्थ्य और स्टार्टअप सहित छोटे व्यवसायों को भी आधार देता है। जून 2025 तक भारतीय बैंकों में एनआरआई जमा राशियां लगभग 3.6 बिलियन डॉलर रहीं, जबकि वित्त वर्ष 2024-25 में रेमिटेंस बढ़कर 135.46 बिलियन डॉलर पहुंच गया—पिछले वर्ष से करीब 14 प्रतिशत अधिक, जो वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच प्रवासी भारतीयों के भरोसे और निरंतर योगदान को दर्शाता है।

प्रवासी भारतीयों ने विज्ञान और शिक्षा में वैश्विक नवाचार को बढ़ावा दिया—जैसे कल्पना चावला, सत्य नडेला और सुंदर पिचाई; राजनीति में ऋषि सुनक, अनिरुद्ध जगन्नाथ, महिला प्रवासियों ने व्यापार और सामाजिक क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया—जैसे इंदिरा नूयी, और मीरा नायर; वहीं रविशंकर, जुबिन मेहता जैसे कलाकारों ने सांस्कृतिक उपलब्धियों के माध्यम से भारत की वैश्विक छवि को सशक्त किया। संकट की घड़ियों में प्रवासी भारतीयों की भूमिका और भी स्पष्ट होती है—कोविड-19 के दौरान रेमिटेंस जीवनरेखा बना रहा, जबकि 2018 की केरल बाढ़ में खाड़ी देशों से व्यापक आर्थिक और राहत सहायता पहुंची। राष्ट्रीय स्वाभिमान के संकट में भी प्रवासी भारतीय भारत के साथ मजबूती से खड़े रहे। इसका सशक्त उदाहरण मई 1998 के पोखरण परमाणु परीक्षण हैं, जब प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में भारत ने अपनी परमाणु क्षमता का सार्वजनिक प्रदर्शन किया। इसके बाद अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन के प्रशासन ने ग्लेन संशोधन के तहत अनेक आर्थिक प्रतिबंध लगाए। इस चुनौतीपूर्ण समय में वाजपेयी के आह्वान पर एनआरआई समुदाय ने रेमिटेंस बढ़ाया इससे विदेशी मुद्रा भंडार को स्थिरता मिली और प्रतिबंध काफी हद तक निष्प्रभावी हुए। यह सहयोग आर्थिक ही नहीं, बल्कि भारत की संप्रभुता और आत्मस मान के प्रति प्रवासी भारतीयों की गहरी प्रतिबद्धता का प्रमाण था।

भारत सरकार और रिज़र्व बैंक ने प्रवासी भारतीयों को विकास-यात्रा से जोड़ने के लिए कई पहलें की हैं। ओसीआई कार्ड ने वीज़ा-मुक्त यात्रा, संपत्ति स्वामित्व और व्यापारिक भागीदारी को आसान बनाया है, जबकि एनआरई/एनआरओ खाते और एफसीएनआर जमाएं सुरक्षित निवेश व कर रियायतें देती हैं। डिजिटल भारत के तहत यूपीआई के अंतरराष्ट्रीय विस्तार से विदेशी मोबाइल नंबरों के माध्यम से भी भारत में भुगतान और लेन-देन संभव हुआ है।

इसके अतिरिक्त, विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के नियमों को सरल बनाकर निवेश, व्यापार और रेमिटेंस से जुड़ी प्रक्रियाओं को आसान किया गया है। कर नियमों के अनुसार एनआरआई की वही आय भारत में कर योग्य मानी जाती है जो भारत में स्थित संपत्ति, व्यापार, सेवाओं या आय-स्रोत से उत्पन्न हो—जैसे संपत्ति के हस्तांतरण से पूंजीगत लाभ, भारत में दी गई सेवाओं का वेतन, भारतीय कंपनियों से लाभांश, ब्याज तथा भारत से जुड़ी रॉयल्टी या तकनीकी सेवा शुल्क। साथ ही, दोहरी कराधान से बचाव समझौतों के माध्यम से सरकार यह सुनिश्चित करती है कि एक ही आय पर भारत और विदेश—दोनों जगह कर न देना पड़े, जिससे प्रवासी भारतीयों को कर-राहत मिलती है। संकट की घड़ी में हेल्पलाइन, पासपोर्ट सेवाएं और कांसुलर सहायता यह सुनिश्चित करती हैं कि प्रवासी विदेश में भी देश का संरक्षण और सहयोग पा सकें। प्रवासी भारतीय चाहते हैं कि निवेश प्रक्रियाएं सरल और पारदर्शी हों, दोहरी नागरिकता पर व्यापक संवाद हो, और संपत्ति, कर व उत्तराधिकार कानून स्पष्ट हों, ताकि वे दीर्घकालीन योजना बना सकें। साथ ही, वे अपने बच्चों को शिक्षा, संस्कृति और भाषा के माध्यम से भारत से जुड़े रहने के पर्याप्त अवसर चाहते हैं, जिससे आने वाली पीढ़ियां अपनी जड़ों और पहचान के साथ दृढ़ता से जुड़ी रहें। ट्रंप प्रशासन द्वारा लागू उच्च टैरिफ और पेशेवर भारतीयों से जुड़े वीज़ा निर्णय वहां बसे भारतीयों के लिए चिंता का विषय हैं, जिससे रोज़गार और आय पर दबाव पड़ा और भारत से आयातित वस्तुएं महंगी हुई हैं; इस संदर्भ में वे भारत सरकार से प्रभावी कूटनीतिक हस्तक्षेप की अपेक्षा रखते हैं। ज़्यादा जानें हिंदी समाचार ऐप सदस्यता ई-पेपर साक्षात्कार कौशल प्रशिक्षण युवा मनोरंजन विदेश यात्रा योजनाएँ खेल उपकरण समाचार पत्र वितरण सेवा बॉलीवुड समाचार विशेष रिपोर्ट सदस्यता प्रादेशिक समाचार प्रवासी भारतीय दिवस केवल अतीत की स्मृति नहीं, बल्कि भविष्य का संकल्प है। कभी जिन्हें ब्रेन ड्रेन का प्रतीक माना गया, वही प्रवासी आज ब्रेन गेन और इनकम गेन के रूप में ज्ञान, तकनीक, निवेश और वैश्विक नेटवर्क के माध्यम से भारत की सामर्थ्य बन चुके हैं। उनकी उद्यमिता और नवाचार आर्थिक शक्ति को सुदृढ़ करते हैं, जबकि संस्कृति, भाषा और मूल्यों का प्रसार भारत की सॉ ट पावर को वैश्विक स्तर पर मजबूत करता है। भौगोलिक दूरी के बावजूद उनकी जड़ें भारत में हैं, और उनकी बौद्धिक व आर्थिक भागीदारी भारत को उभरती शक्ति से आगे बढ़ाकर वैश्विक नेतृत्व की ओर ले जाती है। प्रवासी भारतीय दिवस हमें याद दिलाता है कि जहां भी भारतीय हैं, वहां भारत जीवित है—आर्थिक सामर्थ्य, सांस्कृतिक चेतना और मानवीय मूल्यों के साथ।

विविध समाचार

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत बन रहा बड़ी आर्थिक शक्ति : मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

चंडीगढ १९/०१ (संवाददाता): हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि जिस गति से आज भारत प्रगति के मार्ग पर अग्रसर है, उसके पीछे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का दूरदर्शी नेतृत्व और केंद्र सरकार की क्रांतिकारी आर्थिक नीतियाँ प्रमुख भूमिका निभा रही हैं। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश ने "एक राष्ट्र, एक टैक्स" की अवधारणा को साकार करते हुए जी.एस.टी. लागू किया, जिससे पूरा भारत एक एकीकृत बाजार में परिवर्तित हो गया है। जी.एस.टी. सुधारों से न केवल अर्थव्यवस्था को नई गति मिली है, बल्कि राज्यों के बीच व्यापार आसान हुआ है और व्यापारियों को अनावश्यक करों के जाल से मुक्ति मिली है। हाल ही में किए गए जी.एस.टी. सुधार इस बात का प्रमाण हैं कि प्रधानमंत्री मोदी की "गारंटी" सदैव पूरी होती है। ये सुधार आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में मील का पत्थर साबित होंगे।मुख्यमंत्री बुधवार को बिहार के पटना में बिहार चौम्बर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री द्वारा आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए "स्वदेशी" और "मेक इन इंडिया फॉर द वर्ल्ड" के आह्वान ने देश में विनिर्माण क्षेत्र को नई दिशा दी है। हाल ही में जापान यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री द्वारा प्रस्तुत यह विजन

आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि डिजिटल इंडिया अभियान के अंतर्गत यूपीआई से लेकर डीबीटी तक डिजिटल लेन–देन की क्रांति ने पारदर्शिता को बढ़ावा दिया है और भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाया है। आज भारत का डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर पूरी दुनिया के लिए एक उदाहरण बन चुका है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत ने विनिर्माण और उत्पादन पर बल देकर आयात पर निर्भरता घटाई है तथा वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला का एक मजबूत केंद्र बनकर उभरा है। केंद्र सरकार की दूरदर्शी नीतियों और सुधारों के परिणामस्वरूप आज भारत न केवल आत्मनिर्भरता की दिशा में अग्रसर है, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में एक सशक्त साझेदार के रूप में अपनी पहचान स्थापित कर चुका है। उन्होंने कहा कि पिछले 11 वर्षों में, सड़क, रेल, हवाई अड्डों और बंदरगाहों के निर्माण में अभूतपूर्व निवेश हुआ है। ये सुविधाएं बेहतरीन कनेक्टिविटी, उद्योगपतियों के लिए व्यापार और लॉजिस्टिक्स की लागत को कम कर रही है। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के लिए अनावश्यक कानूनों को खत्म करना, प्रक्रियाओं को सरल बनाना, और लाइसेंस राज से मुक्ति दिलाने के लिए लगातार प्रयास किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने हमें 'विकसित भारत–2047' का लक्ष्य दिया है। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए, हमें अपने राज्यों को विकसित करना होगा। हरियाणा और बिहार को मिलकर देश की प्रगति की गति को तेज करना होगा। उन्होंने कहा कि आज यहां आकर उन्हें बिहार की मिट्टी की महक और हरियाणा की उद्यमशीलता की भावना का एक अद्भुत संगम देखने को मिल रहा है। यह संगम, वास्तव में, हमारे देश की प्रगति और 'विकसित भारत' के संकल्प का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि बिहार और हरियाणा का रिश्ता केवल राज्यों की भौगोलिक सीमा तक सीमित नहीं है। यह रिश्ता प्रेम, श्रम और विश्वास का है। श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि आज बिहार में डबल इंजन की सरकार के कारण यह पूरे देश में यह प्रदेश दूसरे सबसे तेजी से बढ़ने वाले राज्य के रूप में जाना जा रहा है। आज बिहार की जीडीपी वृद्धि दर 14 प्रतिशत से भी अधिक है। अब बिहार की जीडीपी में औद्योगिक क्षेत्र का हिस्सा 23 प्रतिशत है, जो कृषि के हिस्से से भी अधिक है। यह सिद्ध करता है कि बिहार में उद्योगों के लिए एक सुरक्षित और अनुकूल माहौल बना है। उन्होंने कहा कि राज्य में युवाओं को उद्योग की जरूरतों संबंधी ट्रेनिंग के लिए भारत रत्न जननायक कर्पूरी ठाकुर स्किल यूनिवर्सिटी का उद्घाटन किया गया है। यह युवाओं को उद्योग–आधारित पाठ्यक्रम प्रदान कर रही है। सरकार की 'एक जिला–एक उद्योग' योजना ने इस दिशा में क्रांति ला दी है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण कटिहार का मखाना है, जो अब विश्व बाजार में अपनी चमक बिखेर रहा है। केंद्र सरकार ने इसे 'सुपर फूड' के रूप में स्थापित करने के लिए मखाना बोर्ड की घोषणा की है, जिससे किसानों और स्थानीय उद्योगों को नई शक्ति मिली है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उद्योगों द्वारा तैयार किए गए उत्पादों को बाजार तक पहुँचाने के लिए बिहार में बुनियादी ढांचे को मजबूत किया है। राज्य में निवेशकों का विश्वास जीतने के लिए नीतिगत सुधारों की एक श्रृंखला शुरू की गई है। सरकार ने निवेशकों को निरूशुल्क भूमि देने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में चमड़ा उद्योग, कपड़ा उद्योग सहित अन्य उद्योगों के प्रोत्साहन के लिए नई नीति बनाई गई है। आगामी समय में बिहार की अर्थव्यवस्था में न केवल गुणात्मक सुधार होगा बल्कि युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर भी उपलब्ध होंगे। इस मौके पर बिहार चौम्बर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री द्वारा मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी का गर्मजोशी से स्वागत किया गया।

हरियाणा नशे की राजधानी बन चुका है, सैनी सरकार पूरी तरह फेल : अनुराग ढांडा

चंडीगढ़ १९/०१ (संवाददाता): आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अनुराग ढांडा ने बुधवार को बयान जारी कर हरियाणा की भाजपा सरकार और मुख्यमंत्री नायब सैनी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि "हरियाणा आज नशे की राजधानी बन चुका है, और मुख्यमंत्री नायब सैनी मौन साधकर कुर्सी बचाने में व्यस्त हैं। अनुराग ढांडा ने कहा कि सिरसा में पिछले कुछ दिनों में 4 लोगों की नशे से मौतों ने पूरे प्रदेश का दिल दहला दिया, लेकिन सरकार और पुलिस की संवेदनाएं मर चुकी हैं। प्रदेश में नशे का यह तांडव नया नहीं है। पिछले एक साल में नाममात्र की गिरफ्तारियां हुई हैं, जबकि तस्कर खुलेआम नशा बेच रहे हैं। सिरसा, हिसार, कैथल, फतेहाबाद, अंबाला, कुरुक्षेत्र जैसे जिले नशे के अड्डे बन चुके हैं। भाजपा सरकार सिर्फ ट्रांसफर की राजनीति में लगी है। उन्होंने कहा, "बेटे खो चुकी मां रो–रोकर कह रही है कि उसने नशा बेचने वालों के नाम खुद पुलिस को बताए, मगर सिरसा पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। मुख्यमंत्री नायब सैनी, जब एक मां को न्याय नहीं मिलता, तो आपका राज किस काम का है? सिरसा में चिट्टे से लगातार मौतों के बाद भ्से लेकर च तक को बदला जा चुका है, पर हालात जस के तस हैं। "चेहरों की अदला–बदली हो रही है, सिस्टम वही सड़ा हुआ है। अनुराग ढांडा ने बताया कि सीएम नायब सिंह ने प्रदेश में नशे के खिलाफ कार्रवाई को दिखावे का खेल बना दिया है, और मौतें जारी हैं, और सरकार मूकदर्शक बनी हुई है। पिछले एक साल में सिर्फ नाममात्र की गिरफ्तारियां हुई हैं, जबकि नशे का कारोबार दिन–दहाड़े फल–फूल रहा है। नशा अब हर घर की दीवार तक पहुंच चुका है, और पुलिस प्रशासन भाजपा नेताओं के इशारे पर आंखें मूंदे बैठा है। "हरियाणा का नौजवान नशे में डूब रहा है, मांएं बेटों को खो रही हैं, और मुख्यमंत्री बयान दे रहे हैं कि हालात नियंत्रण में हैं कृ यह झूठ है, यह धोखा है! ढांडा ने कहा कि भाजपा की सरकार ने हरियाणा को "नशे का नर्क" बना दिया है। 16 जिले गंभीर रूप से प्रभावित हैं, जिनमें सिरसा सबसे आगे है, जहां सात हजार से अधिक केस दर्ज हो चुके हैं। उन्होंने कहा, "नशा अब लड्डू की तरह बिक रहा है कृ खुलेआम, पुलिस की नाक के नीचे, नेताओं की छत्रछाया में। ये नाकामी नहीं, मिलीभगत है। उन्होंने कहा कि भाजपा शासन में पुलिस और तस्करों का गठजोड़ एक संगठित नेटवर्क में बदल चुका है। "मुख्यमंत्री नायब सिंह, आप हरियाणा के युवाओं को खो रहे हैं और फिर भी कुर्सी से चिपके हुए हैं। यह सरकार नहीं, अपराधियों की ढाल बन चुकी है, आम आदमी पार्टी ने मांग की है कि तत्काल राज्य में स्पेशल टास्क फोर्स गठित की जाए, पूरे प्रदेश में सख्त चेकिंग हो, और हर प्रभावित जिले में मुफ्त डी–एडिक्शन सेंटर खोले जाएं। साथ ही पुलिस भर्ती दोगुनी की जाए, और तस्करों के नाम सार्वजनिक कर ब्ठप जांच कराई जाए। ढांडा ने कहा कि भाजपा और नायब सैनी का शासन हरियाणा के लिए अभिशाप बन चुका है। "हरियाणा के युवाओं की लाशें गवाही दे रही हैं कि यह सरकार नशे के कारोबार की साथी है। जनता अब चुप नहीं बैठेगी। अब आम आदमी पार्टी नशे के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़ेगी और 'ड्रग–फ्री हरियाणा' बनाकर दिखाएगी।

जालंधर में नकाबपोश लुटेरे हथियार की नोक पर ज्वेलर्स की दुकान से लाखों की नकदी और सोने के गहने लूट कर फरार

जालंधर १९/०१ (संवाददाता): भार्गव कैंप इलाके में गुरुवार सुबह तीन नकाबपोश लुटेरे पिस्टल की नोक पर एक ज्वेलर की दुकान से लाखों की नकदी और सोने के गहने लेकर फरार हो गये। दुकान मालिक विजय के मुताबिक, उनके बेटे ने सुबह दुकान खोली थी। तभी तीन लुटेरे अंदर घुसे और आते ही पिस्टल तानकर धमकाने लगे। एक लुटेरे ने तेजधार हथियार से काउंटर का शीशा तोड़ा, जबकि दूसरे दो लुटेरे गहने और नकदी समेटने लगे।

लुटेरों ने बेटे को धमकाकर तिजोरी से नगदी निकालने को कहा। उन्होंने करीब दो मिनट में दो लाख रुपए की नकदी और गहनों से बैग भर लिया और मौके से फरार हो गये। इस दौरान लुटेरों ने दुकान मालिक के बेटे से हाथापाई भी की। घटना की सूचना मिलते ही भार्गव कैंप थाना पुलिस मौके पर पहुंची और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान करने में जुटी है।

सोनीपत में 17 दुकानों पर चला बुलडोजर

सोनीपत १९/०१ (संवाददाता): सुभाष चौक के पास कस्टोडियन की जमीन पर बनी 17 दुकानों को बुलडोजर चलाकर गिरा दिया गया। तहसीलदार ने इन दुकानों को गिराने के लिए बुधवार को नोटिस जारी किया था। प्रशासन की तोड़फोड़ की कार्रवाई की तैयारियों को देखते हुए दुकानदारों ने वीरवार सुबह दुकानों खाली करना शुरू कर दिया था। दोपहर के समय जिला राजस्व अधिकारी सुशील शर्मा व तहसीलदार कीर्ति की देखरेख में दुकानों को ध्वस्त कर दिया गया। वर्ष 1977 में तत्कालीन नगरपालिका ने पार्किंग और ग्रीन बेल्ट के लिए आरक्षित स्थान पर दुकानों का निर्माण कर उन्हें किराये पर दिया था। जब इस गलती का संज्ञान लिया गया तो इसे हटाने के लिए उच्च न्यायालय में जनहित याचिका दायर की थी। वर्ष 2009 में उच्च न्यायालय ने अवैध निर्माण हटाने का आदेश दिया, जिसके तहत 27 अक्तूबर 2009 को एक तरफ की 11 दुकानें तोड़ दी गईं थी, लेकिन एटलस रोड की ओर बनी दुकानों के दुकानदारों ने हाई कोर्ट से स्टे ले लिया था। यह मामला कई साल तक लंबित रहा। 19 जुलाई 2023 को हाईकोर्ट के न्यायाधीश अनिल क्षेत्रपाल ने स्टे निरस्त किया था। इसके बाद 16 अगस्त 2023 को प्रशासन ने 17 दुकानदारों को दुकानें खाली करने के लिए नोटिस जारी किया था।

22 अगस्त को दुकानदारों ने अपना सामान निकाल लिया और प्रशासन ने बिजली काटने के बाद कार्यवाही शुरू की, लेकिन दुकानदारों ने सुप्रीम कोर्ट से फिर से स्टेटस को (यथास्थिति) ले लिया, जिससे कार्रवाई रुक गई थी। यह मामला सुप्रीम कोर्ट में चला, जहां नगर निगम ने अपने पक्ष में शपथ पत्र दायर कर स्पष्ट किया कि 2009 से इन दुकानों से किराया लेना बंद कर दिया गया था और इनका निर्माण अवैध है। तथ्यों को जानने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने 4 दिसंबर 2024 को स्टे निरस्त कर दिया और दुकानों को हटाने के आदेश दिए थे। सेक्टर–23 स्थित सामुदायिक केंद्र में 3 अक्तूबर नगर निगम की हाउस की बैठक में 225 से ज्यादा एजेंडों पर चर्चा हुई। इसमें सुभाष चौक पर कस्टोडियन की जमीन पर बनी 17 दुकानों के टूटने के बाद पुनर्वास करने का प्रस्ताव पारित किया गया था।

जालंधर के 800 परिवारों को उजड़ने नहीं देंगे, लोगों के संघर्ष में हर संभव मदद करेगी कांग्रेस : परगट सिंह

चंडीगढ १९/०१ (संवाददाता): अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव और विधायक पद्मश्री परगट सिंह ने साफ कर दिया है कि कांग्रेस पार्टी जालंधर के अंबेडकर नगर के 700–800 घरों को किसी भी कीमत पर उजड़ने नहीं देगी। इन सभी परिवारों को कांग्रेस की तरफ से कानूनी सहायता सहित हर संभव मदद मुहैया करवाई जाएगी। उन्होंने मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान से अपील की है कि वह खुद निजी तौर पर हस्ताक्षेप करके इस मामले को हल करवाएं। ताकि लोगों को न्याय मिल सके। उन्हें मौका मिलता है तो वह खुद भी मुख्यमंत्री से भी मुलाकात करेंगे। परगट सिंह ने कहा कि निवर्तमान कांग्रेस सरकार ने पॉलिसी बनाई थी कि 12 साल से अधिक समय तक कोई व्यक्ति अगर किसी जमीन पर काबिज है तो उसे कुछ पैसे लेकर मालिकाना हक दिया जाना चाहिए। इस पॉलिसी को कांग्रेस सरकार ने लागू करने की तैयारी कर ली थी, लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण है कि इससे पहले पंजाब में कांग्रेस की सरकार बदल गई। मौजूदा सत्ताधारी आम आदमी पार्टी की सरकार ने इस पॉलिसी को आगे नहीं बढ़ाया। जिसकी वजह से इस पॉलिसी का लोगों को लाभ नहीं मिल पाया। पूर्व शिक्षा मंत्री परगट सिंह ने कहा कि यह सिर्फ 700–800 घरों की बात नहीं बल्कि इतने परिवारों को उजाड़े जाने की बात है। ऐसा हरगीज नहीं होने दिया जाएगा। भले ही बिजली विभाग की इस जमीन पर लोगों ने कब्जा कर रखा हो, लेकिन वह करीब 70 साल से वहां बसे हुए हैं। कुछ ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मकान बनवा लिए हैं, लेकिन अधिकतर मकानों में लोगों ने अपने खून पसीने की कमाई लगाई हुई है। उन्होंने कहा कि अब आप सरकार को चाहिए कि इन लोगों को उजाड़ने की बजाए उनसे कुछ पैसे लेकर मालिकाना हक दे।

पंजाब में आप नेता को सिर में मारी गोली, पूर्व डीएसपी ने साथियों के साथ मिलकर की फायरिंग

रोपड़ १९/०१ (संवाददाता): पंजाब के रोपड़ जिले में उस समय सनसनी फैल गई जब चंडीगढ़ पुलिस के पूर्व कै दिलशेर सिंह ने अपने साथियों के साथ मिलकर आप नेता नितिन नंदा पर फायरिंग कर दी। फायरिंग में नितिन नंदा गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें सिर के पीछे एक गोली लगी, जबकि दो गोलियां उनके शरीर को छूकर निकल गईं। यह घटना आनंदपुर साहिब के अगमपुर चौकदृजहाज रोड पर उस समय हुई जब नितिन नंदा एक विवाह समारोह में शामिल होने पहुंचे थे। अचानक हुई फायरिंग से मौके पर अफरा–तफरी मच गई और लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर–उधर भागने लगे। घायल नितिन नंदा को तुरंत सिविल अस्पताल, आनंदपुर साहिब ले जाया गया। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें च्ळप् चंडीगढ़ रेफर कर दिया। सूत्रों के अनुसार उनकी हालत नाजुक बनी हुई है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि दोनों पक्षों के बीच प्रॉपर्टी को लेकर विवाद चल रहा था।

स्वास्थ्य मंत्री आरती राव का बड़ा फैसला, वर्तमान नोडल अधिकारियों की छुट्टी, सिविल सर्जन को जिम्मेदारी

चण्डीगढ़ १९/०१ (संवाददाता): हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेश में सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों से संबंधित जितने भी निर्माण कार्य चल रहे हैं, उन सभी में गुणवत्तापूर्ण निर्माण सामग्री लगाई जाए और निर्धारित अवधि में कार्य पूरा होना चाहिए। उन्होंने वर्तमान नोडल अधिकारियों को हटा कर उनके स्थान पर सभी सिविल सर्जन को देख रेख करने का जिम्मा सौंपने के निर्देश दिए हैं। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि सभी अधिकारी अपने–अपने क्षेत्र में चल रहे निर्माणाधीन कार्यों के प्रति अपडेट रहें, इसमें कोताही बर्दाश्त नहीं की जा जाएगी। स्वास्थ्य मंत्री ने पिछले दिनों कुछ जिलों में स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत निर्माणाधीन भवनों का औचक निरीक्षण किया था। इस दौरान जब उन्होंने नोडल अधिकारियों से निर्माण कार्यों के बारे में पूछताछ की तो वे कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे पाए।

Printed, Published,Edited, & Owned by Prakash Kumar Dhal, Printed at Promodini Publication, Main road , Chhend colony , Rourkela-15 & Published at ECR-73, Chhend Colony, Rourkela-15, Editor : Prakash kumar Dhal, Email:kalingasamachar@gmail.com , Mob: 9439951525, Ph. 0661-2646999

दूसरे पाठ उत्सव में एक ही छत के नीचे संस्कृति, फिटनेस और उत्सव

भुवनेश्वर १९/०१ (संवाददाता): बारामुंडा-जगमारा नई सड़क पर भारी भीड़ उमड़ी, ज़्योंकि भुवनेश्वर ज़्युनिसिपल कॉर्पोरेशन ने दूसरा पाठ उत्सव ऑर्गनाइज़ किया था। इस मौके पर यह रोड ज़्यूज़िक, डांस और मनोरंजन का एक शानदार सेंटर बन गया। सर्दियों की ठंड और सुबह के कोहरे के बावजूद, हज़ारों लोग सुबह से ही वेन्यू पर जमा हो गए, जिससे एक किलोमीटर लंबी सड़क एक रौनक भरे त्योहार में बदल गई। इवेंट का साउंड सिस्टम सुबह करीब 5.30 बजे ज़ोरदार तरीके से बजने लगा, जिससे धीरे-धीरे भीड़ जमा होने लगी।

सुबह 6 बजे तक, पूरी सड़क लोगों से भर गई थी। ऑर्गनाइज़र के मुताबिक, 30,000 से ज़्यादा लोगों ने इसमें हिस्सा लिया और इसका मज़ा लिया। प्रोग्राम का उद्घाटन भुवनेश्वर की अपराजिता सारंगी ने किया, जो चीफ गेस्ट के तौर पर शामिल हुईं। इस मौके पर एकामरा-भुवनेश्वर के रू बाबू सिंह, सेंट्रल रू अनंत नारायण जेना, मेयर सुलोचना दास और डिप्टी मेयर मंजुलता कंहार, क्स्ष्ट कमिश्नर चंचल राणा और कल्चरल स्टैंडिंग कमेटी के चेयरमैन रामचंद्र राणासिंह के साथ-साथ दूसरे स्टैंडिंग कमेटी के चेयरपर्सन और कॉर्पोरेटर भी मौजूद थे। मेहमानों ने स्टेज पर रखे पौधों को पानी दिया, एक साफ़, हरी-भरी और सुंदर राजधानी शहर का संदेश दिया, और दूसरे पाठ उत्सव का औपचारिक उद्घाटन किया।

उद्घाटन भाषणों के बाद, कल्चरल परफॉर्मेंस ने दर्शकों में जोश भर दिया। प्लेबैक सिंगर दीप्तिरेखा पाधी ने अपने गानों से भीड़ का मन मोह लिया, जिसके बाद जयश्री धल और नारायण दज़्ा ने परफॉर्मेंस दी। हाड़ कंपा देने वाली ठंड के बावजूद, दर्शक संगीत पर जोश से नाच रहे थे। लोगों को संबोधित करते हुए, इन खास लोगों ने इस बात पर ज़ोर दिया कि शहर को आकर्षक और रहने लायक बनाए रखने के लिए नागरिकों को साफ़, हरा-भरा और जागरूक रहना होगा। उन्होंने बढ़ते प्रदूषण लेवल पर चिंता जताई और लोगों से पर्यावरण बचाने की ज़िम्मेदारी लेने की अपील की। मेयर दास ने कहा कि आजकल काम पर ध्यान देने वाली लाइफस्टाइल लोगों को मनोरंजन से दूर कर रही है, जिससे स्ट्रेस और हेल्थ से जुड़ी दिक्कतें हो रही हैं। इससे निपटने के लिए, क्स्ष्ट मनोरंजन, फिटनेस और सोशल बॉन्डिंग को बढ़ावा देने के लिए तीन ज़ोन में पाठ उत्सव ऑर्गनाइज़ कर रही है।

इस महीने की शुरुआत में मास्टर कैंटीन में हुए पहले पाठ उत्सव के मुकाबले, दूसरा एडिशन ज़्यादा रंगीन था, जिसमें नए गेम्स और ज़्यादा कल्चरल एज़्टिविटीज़ शामिल थीं। बच्चों के लिए खास इंतज़ाम किए गए थे, जिसमें पज़ल गेम्स, किड्स किंगडम एज़्टिविटीज़ और ड्राइंग कॉज़्पिटिशन शामिल थे। फेस-पेंटिंग और आर्ट स्टॉल्स पर भारी भीड़ उमड़ी, जबकि महिलाओं के सेल्फ-हेल्प ग्रुप्स ने सड़क को रंगीन आर्टवर्क से सजाया, जिससे त्योहार का माहौल और भी अच्छा हो गया। इस इवेंट में दो 'भुवनेश्वर गॉट टैलेंट' स्टेज के ज़रिए छिपे हुए लोकल टैलेंट को दिखाने का एक प्लैटफ़ॉर्म भी दिया गया, जहाँ बच्चों, टीनएजर्स और युवाओं ने अपनी जोशीली परफॉर्मेंस से दर्शकों का मन मोह लिया। पारंपरिक डांस और ज़्यूज़िक, मल्लखंब, योग, साइकिलिंग, स्केटिंग, ष्छ्ठ परफॉर्मेंस, बाघा नाचा, लूडो जैसे बोर्ड गेम्स और 360-डिग्री कैमरा एज़्सपीरियंस ने पूरे रास्ते विज़िटर्स को बांधे रखा। क्स्ष्ट अधिकारियों ने अनाउंस किया कि मौजूदा विंटर सीज़न का फ़ाइनल पाठ उत्सव 1 फरवरी (रविवार) को इंफ़ोसिटी में होगा।

बसों की हड़ताल के बाद जगतसिंहपुर में यातायात फिर से सामान्य

ओडिशा १९/०१ (संवाददाता): मुज़्यमंत्री बस सेवा के विरोध में पारादीप में बुलाई गई अनिश्चितकालीन प्राइवेट बस हड़ताल को अस्थायी रूप से सस्पेंड कर दिया गया है, जिससे जगतसिंहपुर जिले के यात्रियों को काफी राहत मिली है। प्राइवेट बस ओनर्स एसोसिएशन ने जिला प्रशासन के साथ आगे की बातचीत होने तक आज से आंदोलन को रोकने का फैसला किया है। जिला प्रशासन के साथ बातचीत तय पारादीप प्राइवेट बस ओनर्स एसोसिएशन के चेयरपर्सन रश्मि रंजन परिदा ने कहा कि आज दोपहर जगतसिंहपुर जिला कलेज़्टर, राज्य-स्तरीय पदाधिकारियों और स्थानीय बस मालिक संघों के प्रतिनिधियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक तय की गई है। उन्होंने कहा कि बातचीत के नतीजे के बाद इस मुद्दे पर अंतिम फैसला लिया जाएगा। कुछ सेवाएं सस्पेंड रहेंगी हालांकि, परिदा ने साफ किया कि मुज़्यमंत्री बस सेवा के तहत चलने वाली सेवाएं, साथ ही जिला मुज़्यालय और ज़्लॉक मुज़्यालय के बीच चलने वाले रूट तब तक सस्पेंड रहेंगे जब तक कोई पक्का समाधान नहीं निकल जाता। फैसले के बारे में बताते हुए, परिदा ने कहा कि जगतसिंहपुर जिला कलेज़्टर ने स्थानीय बस मालिक संघ के अध्यक्ष देवेंद्र के साथ बातचीत की और आश्वासन दिया कि सभी संबंधित वाहन फिलहाल रुके रहेंगे। उन्होंने कहा कि बातचीत के बाद आपसी सहमति की शर्तों के आधार पर बस सेवाएं फिर से शुरू होंगी, जिसके कारण हड़ताल को अस्थायी रूप से सस्पेंड किया गया है। इस फैसले के बाद, जगतसिंहपुर जिले में प्राइवेट बस सेवाएं, जो पिछले एक हज़्ते से सड़कों से गायब थीं, आज से सामान्य रूप से फिर से शुरू हो गईं। उज़्मीद है कि हड़ताल के अस्थायी रूप से वापस लेने से तटीय जिले में रोजाना यात्रा करने वाले यात्रियों, छात्रों और ऑफिस जाने वालों को होने वाली परिवहन समस्याओं में कमी आएगी, जबकि संबंधित लोग प्रशासनिक बातचीत के माध्यम से अंतिम समाधान का इंतजार कर रहे हैं।

तीसरी एग्जीज़्यूटिव काउंसिल मीटिंग में 862 प्रोजेज़्ट्स को मंजूरी मिली

भुवनेश्वर १९/०१ (संवाददाता): पंचसखा शिक्षा सेतु की तीसरी एग्जीज़्यूटिव काउंसिल मीटिंग हाल ही में हुई। मीटिंग में, राज्य के 22 जिलों के अलग-अलग स्कूलों के डेवलपमेंट के लिए 862 प्रोजेज़्ट्स को मंज़ूरी दी गई, जिनका कुल अनुमानित खर्च 12,62,48,373 रुपये था। सभी जिलों में, गंजम को सबसे ज़्यादा मंज़ूरी मिली, जिसके प्रोजेज़्ट्स की कीमत 1.91 करोड़ रुपये थी।मीटिंग की अध्यक्षता काउंसिल की चेयरपर्सन एन तिरुमाला नाइक ने की और कमिश्नर-कम-सेक्रेटरी, रू×रूश्व नाइक ने एल्युमनाई की लीडरशिप के ज़रिए स्कूल डेवलपमेंट के महत्व पर ज़ोर दिया और इससे जुड़े अलग-अलग पहलुओं पर चर्चा की। स्कूलों के डेवलपमेंट के लिए, एल्युमनाई, पेरेंट्स, स्कूल मैनेजमेंट कमेटी के सदस्यों और लोकल कज़्युनिटी ने फाइनेंशियल पार्टिसिपेशन के तौर पर 4,41,65,582 रुपये का योगदान दिया। इस योगदान के साथ, पंचसखा शिक्षा सेतु ने मैचिंग ग्रांट को दोगुना कर दिया, जिससे कुल 12.62 करोड़ रुपये के खर्च वाले 862 प्रोजेज़्ट प्रपोज़ल को मंज़ूरी मिली। मीटिंग में पंचसखा शिक्षा सेतु की मेंबर सेक्रेटरी और ह्रस्श्वक्क की स्क्ष्ठ अनन्या दास; एडिशनल सेक्रेटरी दुर्गाप्रसाद महापात्रा; स्पेशल सेक्रेटरी-कम-फाइनेंशियल एडवाइजर शिबाशीष धल; एडिशनल फाइनेंशियल एडवाइजर रमेश चंद्र घड़ेई; ष्ठ।।स्श्व की डायरेज़्टर नियति पटनायक; डायरेज़्टर मनोज कुमार पाधी; ष्ठश्वश्व की जॉइंट डायरेज़्टर मनोरमा दास; जॉइंट डायरेज़्टर एसपी पांडा; क्र×क्क से जगजीवन पांडा; पंचसखा शिक्षा सेतु की चीफ एग्जीज़्यूटिव ऑफिसर राजलक्ष्मी दाश; स्पेशल प्रोग्राम ऑफिसर मणिप्रसाद मिश्रा; और फाइनेंशियल ऑफिसर इतिश्री महाराणा वगैरह शामिल हुए।

प्राकृतिक वातावरण में ज़्यादा समय बिताएँ-राज्यपाल

भुवनेश्वररू बच्चों के लिए खुली जगहों की अहमियत पर ज़ोर देते हुए, गवर्नर हरि बाबू कंभमपति ने उन्हें ज़्यादा स्क्रीन देखने से दूर, कुदरती माहौल में ज़्यादा समय बिताने के लिए हिज़्मत दी और कहा कि ऐसी खुली जगहें कल्पना को बढ़ावा देने, फिजिकल एज़्टिविटी को बढ़ावा देने और इमोशनल सेहत को सपोर्ट करने में मदद करती हैं, साथ ही बाहर के अनुभवों को शेयर करके परिवार के रिश्ते भी मज़बूत करती हैं।

गवर्नर ने रविवार को लोक भवन गार्डन और अटल वन में बच्चों से बातचीत की, गार्डन के आम लोगों के लिए खुलने के बाद से यह छोटे विज़िटर्स के साथ उनकी दूसरी मुलाक़ात थी। गवर्नर ने बच्चों से इनफॉर्मल बातचीत की, उन्हें पेन, चिक्की और चॉकलेट गिफ़्ट किए, और जब वे हरे-भरे आस-पास घूम रहे थे, तो उनके साथ समय बिताया। उनकी बातचीत ने लोक भवन के रौनक भरे माहौल में गर्मजोशी और खुशी भर दी, जहाँ परिवार किनारे पर शांत और अच्छी तरह से मेंटेन किए गए गार्डन का मज़ा लेते दिखे। बढ़ते आम लोगों के आने का ज़िक्र करते हुए, कंभमपति ने कहा कि यह ज़बरदस्त रिस्पॉन्स दिखाता है कि लोग खुली, स्वागत करने वाली और आसानी से मिलने वाली जगहों को कितना पसंद करते हैं। उन्होंने कहा कि लोक भवन गार्डन को आम लोगों के लिए खोलने का मकसद पज़्लिक संस्थानों को ज़्यादा आसान बनाना और लोगों में शेयर्ड ओनरशिप की भावना को बढ़ावा देना है।

सात ट्रांसजेंडरों ने स्वच्छता को नई परिभाषा दी

कटक १९/०१ (संवाददाता): कटक ज़्युनिसिपल कॉर्पोरेशन (ष्टस्ष्ट) मातागजापुर में अपना फीकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट (स्नस्स्ञ्जक्क) चला रहा है। हालांकि यह प्लांट साइंटिफिक तरीके से फीकल स्लज मैनेजमेंट और पर्यावरण की सुरक्षा पक्का करने में अहम भूमिका निभाता है, लेकिन इस कोशिश के पीछे एक दिलचस्प इंसानी कहानी भी है। स्नस्स्ञ्जक्क का ऑपरेशन और मेंटेनेंस ओडिशा की ञ्जक्त्रक्क्रूस्कीम के तहत काम करने वाले ट्रांसजेंडर कर रहे हैं ङ्क ये वो लोग हैं जिन्हें कभी बदनामी, समाज से अलग-थलग किए जाने और आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ा था। आज, वे एक ज़रूरी शहरी सर्विस में सज़्मानित योगदान देने वाले हैं, जो कॉन्फिडेंस, प्रोफेशनलिज़्म और गर्व के साथ काम कर रहे हैं। सात ट्रांसजेंडर ङ्क सुश्री सीतल बस्तिया, सेल्फ हेल्प ग्रुप की सेक्रेटरी; तनुश्री बेहरा, सेल्फ हेल्प ग्रुप की प्रेसिडेंट; और सदस्य सिबाने, प्रीतम सिंह, सुमन, टिकी, और रंजन कुमार साहू ङ्क प्लांट के रोज़ाना के काम की रीढ़ हैं। साथ मिलकर, वे एक ऐसी फैसिलिटी के सुचारू कामकाज को पक्का करते हैं जो पूरे शहर से इकट्ठा किए गए मल के कचरे को ट्रीट करती है, जिससे सीधे तौर पर आस-पड़ोस साफ होते हैं और शहरी जीवन सुरक्षित होता है। स्नस्स्ञ्जक्क की ट्रीटमेंट कैपेसिटी 60 चस्ष्ठ है, जिसे ट्रेंड ड्राइवरों और डीस्लजर्स द्वारा ऑपरेट की जाने वाली 13 सेसपूल गाड़ियों से सपोर्ट मिलता है, जिससे कटक में घरों और जगहों के लिए रेगुलर और भरोसेमंद डीस्लजिंग सर्विस मिलती हैं। औसतन, हर महीने कई सौ डीस्लजिंग ट्रिप किए जाते हैं, जिससे मल के कचरे का सुरक्षित और साइंटिफिक ट्रीटमेंट पक्का होता है और एनवायरनमेंट और पज़्लिक हेल्थ के खतरे कम होते हैं।

ट्रेलर की टक्कर से वृद्ध गंभीर

राउरकेला१९/०१ (संवाददाता): सुंदरगढ़ जिले के हेमगिर थाना अंतर्गत कांधडुड़ा गांव में रविवार की शाम को ट्रेलर की टक्कर से वृद्ध गिर गए। गंभीर अवस्था में उन्हें पहले हेमगिर सरकार अस्पताल फिर वहां से बेहतर इलाज के लिए सुंदरगढ़ अस्पताल स्थानांतरित किया गया है। कांधडुड़ा गांव निवासी 60 वर्षीय नंदलाल भोई रविवार शाम को पैदल सड़क पर जा रहे थे

आरएसपी में सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को मजबूत करने के लिए एक किलोमीटर लंबी मानव श्रृंखला आयोजित

राउरकेला १९/०१ (संवाददाता): राउरकेला इस्पात संयंत्र (आरएसपी) में चल रहे सड़क सुरक्षा जागरूकता माह-2026 के तहत कर्मचारियों के साथ-साथ अन्य हितधारकों को सड़क सुरक्षा के बारे में जागरूक करने के लिए कई कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। सयंत्र का सुरक्षा अभियांत्रिकी विभाग अन्य विभागों के सहयोग से आवा जाही करने वालों को सड़क सुरक्षा के नियमों और सावधानियों के बारे में जागरूक कर रहा है। कार्यस्थल पर सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए लगातार कई अन्य कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे हैं। 12 जनवरी को, लगभग 300 कर्मचारियों, अधिकारियों और ठेका श्रमिकों ने आरएसपी कर्मीसमूह की सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को दोहराने के लिए एक किलोमीटर से अधिक लंबी सुरक्षा मानव श्रृंखला बनाने के लिए एक साथ खड़े हुए। मानव श्रृंखला टी एंड आरएम विभाग से एफएम (एम) विभाग तक फैली हुई थी। कार्यपालक निदेशक (वर्क्स), श्री विश्व रंजन पलाई इस अभियान में शामिल हुए और समूह को कार्यस्थल और सड़कों दोनों जगह सुरक्षा मानदंडों का सज़्ती से पालन करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सुरक्षा एक साझा जिज़्मेदारी है और दुर्घटनाओं को रोकने और शून्य क्षति के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए लगातार जागरूकता, अनुशासन और जिज़्मेदार व्यवहार आवश्यक है। मुज़्य महाप्रबंधक (टी एंड आरएम), श्री के सुन्यानी, महाप्रबंधक (सुरक्षा अभियांत्रिकी विभाग), श्री अबकास बेहेरा, महाप्रबंधक प्रभारी (सीईडी), श्री एस आर पति, महाप्रबंधक प्रभारी (एसएसएम), श्री सी आर मिश्रा ने इस अभियान का नेतृत्व किया। विभागों के विभागीय सुरक्षा अधिकारी और क्षेत्रीय सुरक्षा अधिकारियों ने कार्यक्रम का समन्वय किया। उत्साही प्रतिभागियों ने सड़क सुरक्षा के साथ-साथ कार्यस्थल सुरक्षा पर विभिन्न सुरक्षा संदेशों वाले प्लेकार्ड पकड़े हुए थे, जैसे व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरणों का उपयोग, सेल फोन के सीमित उपयोग, असुरक्षित ड्राइविंग प्रथाओं, सुरक्षित ड्राइविंग टिप्स, सयंत्र के अंदर गति सीमा, एसओपी, एसएमपी का पालन आदि। यह अभियान सुबह 8.45 बजे से 9.30 बजे तक आयोजित किया गया था, ताकि जनरल शिज़्ट में संस्कार गेट और मेन गेट दोनों से आने वाले अधिकांश कर्मचारियों को लक्षित किया जा सके।

कार्यपालक निदेशक (वर्क्स) चौक पर नए प्लेट मिल और स्पेशल प्लेट प्लांट द्वारा आयोजित एक अन्य सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान में, 400 से अधिक कर्मचारियों, अधिकारियों और ठेका श्रमिकों ने मानव श्रृंखला बनाने के लिए सामने आये। यह कार्यक्रम मुज़्य महाप्रबंधक (एनपीएम, एसपीपी और डिजिटलीकरण), श्री आर. के. मुदुली, मुज़्य महाप्रबंधक (सुरक्षा और अग्निशमन सेवाएं), श्री हीरालाल महापात्र के नेतृत्व में विभागाध्यक्ष (एसपीपी), डॉ. पी के पाढ़ी, श्री एन महापात्र, श्री एस सुधाकर, और श्री ए रावत द्वारा आयोजित किया गया था।

इससे पहले, 8 जनवरी को सीई (एस) विभाग द्वारा कार्यपालक निदेशक (वर्क्स) चौक पर इसी तरह का एक अभियान आयोजित किया गया था। इस अभियान का नेतृत्व महाप्रबंधक प्रभारी (सीईएस),श्री पवन गुप्ता ने किया और इसमें लगभग 150 कर्मचारियों और ठेका श्रमिकों ने हिस्सा लिया, जिन्होंने सड़क सुरक्षा के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए सक्रिय रूप से भाग लिया। 6 जनवरी को आयोजित एक और अभियान में, मुज़्य महाप्रबंधक (प्लेट मिल), श्री एतवा उराँव ने प्लेट मिल रोड पर सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान का नेतृत्व किया। 100 से ज़्यादा कर्मचारियों और ठेका श्रमिकों ने सड़क पर मानव श्रृंखला बनाकर और सुरक्षित और ज़िज़्मेदार सड़क व्यवहार के महत्व को उजागर करने वाले प्लाकार्ड लेकर इस अभियान में योगदान दिया।